दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 11 दिसंबर-2024 | ● वर्ष : 9 अंक : 348 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

रूस में राष्ट्रपति पुतिन से मिले राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को क्रेमलिन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच, पुतिन संग राजनाथ की यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है। पुतिन 2022 से शुरू हुए संघर्ष के बाद से गिने-चुने नेताओं से ही मिलते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हों या विदेश मंत्री एस जयशंकर या फिर आज राजनाथ सिंह, पुतिन ने हमेशा भारतीय नेताओं को तरजीह दी है।

पुतिन और राजनाथ की बैठक में किन-किन विषयों पर चर्चा हुई, इसपर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच र-400 डिफेंस सिस्टम की डिलीवरी से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध, सीरिया और मध्य एशिया के हालात समेत रक्षा क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों पर बात हुई होगी।

रूसी रक्षा मंत्री से भी मिले राजनाथ : राजनाथ ने मंगलवार को अपने समकक्ष, रूसी रक्षा मंत्री से भी बातचीत की। बेलौसोव ने कहा कि 'हमारे नेताओं के बीच विश्वासपूर्ण संबंध द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।' उन्होंने कहा कि 'हम बहुपक्षीय प्रारूपों में रूस और भारत के बीच सैन्य बातचीत के अच्छे स्तर से संतुष्ट हैं। मुझे विश्वास है, कि हमारी बैठक रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में रूसी-भारतीय संबंधों को और मजबूत करने में योगदान देगी।'

रूसी रक्षा मंत्रालय के बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, 'भू-राजनीतिक चुनौतियों और महत्वपूर्ण दबाव के बावजूद... भारत न केवल रूस के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों को संरक्षित करने बल्कि उन्हें बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।'

संगठन पर्व वाली बैठक में महिला सशक्तिकरण का मंत्र दे गये तावड़े

क्यों कहा- दिल से ज्यादा दल के करीब वाले चेहरे को सौंपी जाए पदों की कमान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तथा उत्तर प्रदेश चुनाव पर्यवेक्षक विनोद तावड़े गाजियाबाद आए। वो यहां पश्चिम क्षेत्र की संगठन बैठक को संबोधित करने आए थे। अन्य बातें बैठक में हुई, लेकिन यहां जो प्रमुख बात हुई वो महिला सशक्तिकरण को लेकर थी और यहां नया नारा दिल से ज्यादा दल के करीब का निकला। विनोद तावड़े ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए संगठन चुनाव में महिआओं की भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकताओं को मंडल अध्यक्ष भी बनाया जाए। महिला कार्यकताओं को मौका मिले। तावड़े के ये शब्द संगठन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दे रहे हैं।

इसके अलावा जो नया मूलमंत्र आया जो दिल से ज्यादा दल के करीब का था। तावड़े ने कहा कि ऐसे चेहरों को पदाधिकारी बनाया जाए जो दिल से ज्यादा दल के करीब हैं। दिल से ज्यादा दल के करीब की व्याख्या करते हुए तावड़े ने कहा कि यदि कोई नेता किसी व्यक्ति विशेष के करीब है तो हमें प्रमुखता उसे देनी है जो भाजपा के करीब है। जो पार्टी के प्रति समर्पित है। व्यक्ति विशेष के करीब नेता को प्राथमिकता नहीं देनी है। राष्ट्रीय महामंत्री ये शब्द बहुत कुछ कह रहे हैं। इसी बैठक में उन्होंने ये भी कहा कि ये ठीक है कि भाजपा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वोट मिलते हैं, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भाजपा की विचारधारा के नाम पर वोट नही मिलते, भाजपा के नाम पर वोट नहीं मिलते और संगठन को इस दिशा में मेहनत करनी है। राष्ट्रीय महामंत्री ने बैठक में ये भी कहा कि हमें बूथ या अन्य काम घर पर नहीं करने है। संगठन चुनाव में आम सहमति सबसे प्रमुख है। आपस में मनमुटाव की स्थिति नहीं होनी चाहिए और सुस्त लोग आगे नहीं आने चाहिए। एक्टिव लोगों को भी मौका दिया जाए। यहां उन्होंने वरिष्ठ नेताओं को सम्मान दिये जाने और जिम्मेदारी दिये जाने की वकालत की। उन्होंने कहा कि पार्टी के ऐसे पुराने कार्यकर्ता जो वर्तमान में किसी पद पर नहीं हैं उन्हें भी तवज्जो दी जाए, उनकी राय ली जाए और उनके अनुभव का सम्मान किया जाए।

क्यों कहा रालोद को भी साथ लेकर चलना है भाजपा को

संगठन चुनाव की बैठक में राष्ट्रीय महामंत्री ने जहां महिला सशक्तिकरण की बात कही। दिल से ज्यादा दल के करीब लोगों को आगे लाने की बात कही। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि संगठन चुनाव में आम सहमति सर्वोपरि है। कोई भी पदाधिकारी कार्यकताओं पर थोपा नहीं जाएगा। समिति के साथ संगठन का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि 16 तक मंडल अध्यक्ष घोषित करने हैं लिहाजा 15 तारीख तक सारा काम पूरा किया जाए। यहां विनोद तावड़े ने ये नसीहत भी दी कि हमें अपने चुनावी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना है। उन्हें हर मौके पर ये लगना चाहिए कि वो हमारे सियासी भागीदार हैं। इस बैठक में रालोद नेताओं को भी साथ लेकर चलने के लिये कहा गया।

सावधान : कर रहे थे नकली दवाओं का कारोबार, औषधि विभाग ने की कड़ी कार्रवाई

-12 लाख की औषधि की गई सीज, मोदीनगर थाने में दर्ज हुआ मुकदमा

दो गोदामों पर पड़ा छापा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : दवाई जीवन रक्षक होती हैं लेकिन उसकी भी कालाबाजारी और अवैध कारोबार जमकर हो रहा है। ऐसी ही शिकायत के बाद इसपर मंगलवार को कड़ी कार्रवाई की गई है। मंगलवार को औषधि निरीक्षक जनपद गाजियाबाद और उनकी टीम ने मोदीनगर अंतर्गत मुकेश भाटिया के दो गोदामों पर छापेमारी की कार्रवाई करते हुए लाखों रुपए की नकली दवा सीज की है। साथ ही कई जगह बिना लाइसेंस के दवा भंडारण और बेचने का मामला भी सामने आया है। औषधि निरीक्षक जनपद गाजियाबाद आशुतोष मिश्रा, औषधि निरीक्षक गाजियाबाद वैभव बब्बर, लखनऊ मुख्यालय मोहित कुमार दीप, औषधि निरीक्षक बागपत पीयूष शर्मा, प्रियंका चौधरी औषधि निरीक्षक मेरठ ने छापेमारी करते हुए अवैध रूप से बिना औषधि लाइसेंस भंडारण के मामले का खुलासा किया है।

मिली ऐसी भी दवा जो किडनी और लीवर पर डालती है असर

करंट क्राइम : औषधि निरीक्षक गाजियाबाद और उनकी संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। इस दौरान मोदीनगर के दो गोदाम में छापेमारी की गई। जहां बिना लाइसेंस के री-पैकिंग कर पाउच में डालकर ड्रग एंड केमिस्ट एक्ट 1940 की धारा का उल्लंघन पाया गया है। कार्रवाई के दौरान मौके पर आठ संदिग्ध औषधीय के नमूने जांच के लिए संग्रहित कर राजकीय प्रयोगशाला लखनऊ भी भेजा गया है। मौके से लगभग 8 लाख रुपए की टेबलेट- कैप्सूल, सीनी सेट औषधीय व पैकिंग में प्रयोग होने वाले पदार्थ जप्त किया गया है। इस मामले में 12 लाख की दवाइयां को सीज किया गया है। तो वहीं मोदीनगर थाने में मुकेश भाटिया के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज कराया गया है। औषधि निरीक्षक गाजियाबाद जनपद आशुतोष मिश्रा का कहना है कि जो दवाइयां जप्त की गई हैं, उनसे लीवर और किडनी खराब होने का भी खतरा रहता है। साथ ही यह गंभीर बीमारी भी पैदा कर सकती हैं।

सावधान कहीं आपके आसपास तो नहीं चल रहा नकली दवा का धंधा

करंट क्राइम : गाजियाबाद ने छापेमारी की कार्रवाई करते हुए अपने स्टाफ को अन्य इलाकों में भी नजर रखने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रशासन के माध्यम से लोगों से अपील की है कि अगर उन्हें आसपास कहीं पर नकली दवाइयां के भंडारण और बेचे जाने की जानकारी मिलती है, तो वह प्रशासन या स्थानीय पुलिस को शिकायत करें औषधि विभाग उन पर कार्रवाई करेगा।

बार एसोसिएशन की लगातार हो रही है मीटिंग, पर हड़ताल समाप्ति की डेट पर जारी है सस्पेंस

-मंगलवार को भी अधिवक्ताओं ने रखी हड़ताल और कपिल सिब्बल की कमेटी से की मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद के बैनर तले अधिवक्ताओं की हड़ताल को लंबा समय हो चुका है। हड़ताल खत्म हो और जल्द कचहरी में काम का शुरू हो, इसके लिए लगातार बैठकें चल रही हैं। मंगलवार को भी अधिवक्ताओं ने हड़ताल रही। तो बार एसोसिएशन गाजियाबाद का एक प्रतिनिधि मंडल कपिल सिब्बल अध्यक्ष बार एसोसिएशन सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली से मुलाकात की है।

उन्होंने वकीलों के हित और मांग को उनके समक्ष रखा है। इसी के साथ अधिवक्ताओं के सूत्रों से जानकारी मिली है कि बुधवार को बार एसोसिएशन गाजियाबाद के प्रतिनिधिमंडल की जिला जज की एक कमेटी से वार्ता भी होनी है। उसको लेकर अधिवक्ताओं ने अपनी तैयारी पूर्ण कर ली है। देखना होगा बुधवार को बार का क्या फैसला रहता है और हड़ताल समाप्त होने की रणनीति क्या रंग लाती है।

आज भी ढाई सौ चैंबर्स के अधिवक्ता करेंगे हड़ताल का समर्थन

करंट क्राइम : बार एसोसिएशन गाजियाबाद की हड़ताल बुधवार को भी रहेगी और बुधवार को चेंबर नंबर 401 से लेकर 650 तक के अंतर्गत आने वाले सभी चेंबर्स के अधिवक्ता वकीलों के सम्मान की लड़ाई में शामिल होंगे। इस दौरान अधिवक्ता संजय गांधी और राहुल कुमार कोको का क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

वार्ता से बन सकती है हड़ताल समाप्ति की बात

करंट क्राइम बार एसोसिएशन गाजियाबाद की जिला जज की एक कमेटी से बुधवार को भी वार्ता होनी है। कहा जा रहा है कि बुधवार को होने वाली बैठक में कुछ निर्णायक स्थिति बन सकती है। जिसके बाद बार एसोसिएशन गाजियाबाद के अधिवक्ताओं की लंबे समय से चली आ रही हड़ताल को लेकर बड़ा फैसला भी लिया जा सकता है। देखना होगा कि हड़ताल कब से खुलती है और इसकी विधिवत घोषणा कब तक होती है।

आ गई है पूरी सर्दी, पर कहा है साहब लोगों की नई वाली वर्दी

पुलिस मुख्यालय से निरीक्षक और गजेटेड अधिकारियों के लिए मोंटी कार्लो की नई जैकेट हुई थी फाइनल

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सर्दी का मौसम रंग दिखा रहा है और तापमान छह डिग्री के करीब पहुंचने लगा है। सुबह और रात के समय तापमान जनजीवन पर असर डाल रहा है। तो वहीं पुलिस भी ठंड से बचने के लिए अपनी गर्म कपड़े निकाल रही है। बता दें कि बीते दिनों पुलिस मुख्यालय से इंस्पेक्टर से लेकर एसीपी और अन्य गजेटेड अधिकारियों के लिए नई जैकेट डिजाइन की गई थी। इसे मोंटी कार्लो कंपनी द्वारा बनाया गया था और जल्द ही अधिकारियों के लिए उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था लेकिन ठंड ने अपना असर दिखना शुरू कर दिया है और अभी अधिकारियों के ऊपर नई वाली वर्दी वाली जैकेट नजर नहीं आ रही है।

कोई तलाश रहा है ऑनलाइन, किसी को ऑफलाइन का इंतजार

करंट क्राइम : पुलिस के सूत्रों से जानकारी मिली है कि कोई अधिकारी मोंटी कार्लो के शोरूम तलाश रहा है। तो कोई इसे ऑनलाइन अपने साइज की मंगवाने का प्रयास कर रहा है लेकिन अभी पुलिसकर्मियों को उत्तर प्रदेश पुलिस अधिकारियों द्वारा डिजाइन को स्वीकृत देने वाली गर्म न्यू डिजाइन जैकेट नहीं मिल पा रही है । इसकी वजह से वह पुराने पैटर्न वाली वर्दी में ही नजर आ रहे हैं। बता दें कि जो नई पैटर्न की मोंटी कार्लो वाली जैकेट है, उसका कलर खाकी नहीं थोड़ा ग्रीन लुक वाला है। यह पहले वाली जैकेट से ज्यादा स्टाइलिश और अधिक पॉकेट वाली भी बताई जा रही है। खास अधिकारियों व टीम ने नए लुक वाली जैकेट को फाइनल किया था जिसकी तलाश जारी है।

ट्रैफिक पुलिस का नियमों के विरुद्ध चलने वाले वाहनों पर बड़ा एक्शन
स्कूलों में इस्तेमाल होने वाले 154 वाहन किए गए जब्त

कमिश्नरेट के तीनों जोन के 76 स्थानों पर यातायात पुलिस ने चलाया था चेकिंग अभियान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत आने वाले तीनों जोन में यातायात पुलिस द्वारा स्कूली वाहनों में नियमों के विरुद्ध बच्चों को क्षमता से अधिक बैठना।

वाहनों में फर्स्ट एड किट, अग्निशमन यंत्र ना होना। चालकों के पास ड्राइविंग लाइसेंस न होना। साथ ही स्पीड लिमिट तोड़ना ,गाड़ियों के जीपीएस सिस्टम और सीसीटीवी खराब मिलने और डीजल वाहन 10 वर्ष और पेट्रोल व सीएनजी वहां 15 वर्ष से पुराने होने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। मंगलवार को ट्रैफिक पुलिस गाजियाबाद द्वारा स्कूली वाहनों में लापरवाही और नियमों की अनदेखी करने वाले अभियान को 76 स्थानों पर चलाया गया है। अभियान के पहले दिन कुल 154 वाहनों का जप्तीकरण करते हुए कार्रवाई की गई है ।

कहीं ऑटो में मिले क्षमता से अधिक बच्चे, तो वैन का जीपीएस मिला बंद

करंट क्राइम : यातायात पुलिस ने पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ऐसे स्कूली वाहनों की जांच का अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूली बच्चे सफर करते हैं। इसमें उन वाहनों को निशाने पर रखा गया जो निजी संचालकों द्वारा संचालित किया जा रहे थे। वहीं स्कूल बसों की भी रैंडम चेकिंग की गई है। दरअसल स्कूली वाहनों में किसी प्रकार का हादसा या अनहोनी होने पर यातायात पुलिस को कटघरे में खड़ा किया जाता है। इसी से बचने के लिए यह अभियान शुरू किया गया है। अभियान के पहले दिन 75 ई रिक्शा में ऑटो वाहनों को जप्त किया गया है। इसके साथ 79 ईको- वैन जप्क की गई हैं। जिसमें क्षमता से अधिक बच्चे थे। एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष कुमार सिंह ने बताया है कि आने वाले दिनों में पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के तीनों जोन में अलग-अलग दिन यह अभियान चलाया जाएगा और इसको प्रभावी भी बनाया जाएगा। अभियान के पहले दिन कई वाहनों में जीपीएस नहीं मिले तो कई में क्षमता से ज्यादा सवारियां थीं।

इन बातों पर देना होगा ध्यान

करंट क्राइम : डीजल वाहन 10 वर्ष और पेट्रोल सीएनजी वाहन का रजिस्ट्रेशन 15 वर्ष पुराना नहीं होना चाहिए। वाहन में लोकेशन ट्रैकिंग यंत्र और सीसीटीवी होना भी आवश्यक है। साथ ही वाहन चालक के अतिरिक्त बड़े वाहनों में एक परिचालक का होना आवश्यक है। वाहनों में फर्स्ट एड किट बॉक्स और अग्निशमन यंत्र भी लगे होने चाहिए। वाहन का फिटनेस और परमिट मौजूद रहना चाहिए। चालक के पास समुचित ड्राइविंग लाइसेंस होना आवश्यक है। ऐसे वाहन जिनमें बच्चे सवार हैं, उनके आगे और पीछे स्कूल वैन लिखा होना आवश्यक है। साथ ही ऐसे वाहन चालक स्पीड लिमिट का ध्यान रखें चालक और परिचालक का पुलिस सत्यापन और स्कूल द्वारा निर्धारित वर्दी भी पहनना आवश्यक होगा।

आगे भी चलाया जाएगा अभियान

करंट क्राइम : एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद ने बताया है कि एडीसीपी ट्रैफिक के निर्देश पर यह अभियान कमिश्नरेट के तीनों जोन में चलाया गया था। आने वाले दिनों में इसको फिर से चलाया जाएगा। इसका मकसद स्कूल के बच्चों की सुरक्षा और वाहन चालकों द्वारा लापरवाही ना बरती जाए। इसके लिए अभियान शुरू किया गया है। इस पर पुलिस वाहन जप्तीकरण से लेकर अन्य कार्रवाई कर रही है।

शंभू बॉर्डर से सरवन सिंह पंधेर का ऐलान, 14 दिसंबर को दिल्ली कूच करेगा 101 किसानों का जत्था

पंजाब। पंजाब हरियाणा सीमा के पास शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने एक बार फिर मंगलवार को दिल्ली कूच का एलान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि 101 किसानों का जत्था 14 दिसंबर को दिल्ली की तरफ बढ़ेगा। पंजाब हरियाणा सीमा के पास शंभू बॉर्डर पर डटे किसानों ने एक बार फिर मंगलवार को दिल्ली कूच का एलान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी कि 101 किसानों का जत्था 14 दिसंबर को दिल्ली की तरफ बढ़ेगा। मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा और किसान-मजदूर संघर्ष समिति की सामूहिक बैठक हुई। इसके बाद आगामी निर्णय लिया गया। पंधेर ने साफ किया कि किसान भागने वाले नहीं हैं, बल्कि सरकार को भगाएंगे।

जगजीत डल्लेवाल का वजन 11 किलो घटा

इस बीच किसान संगठनों के बड़े नेता शंभू बॉर्डर से खनौरी बॉर्डर पहुंच गए हैं। किसानों ने यहां मंगलवार को सामूहिक भूख हड़ताल रखा। सोमवार को किसान नेता काका सिंह कोटडा ने मंच से कहा कि संयुक्त मोर्चा के प्रमुख जगजीत डल्लेवाल की सेहत लगातार बिगड़ती जा रही है। उनका वजन करीब 11 किलो कम हो गया है। वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। उन्हें चक्कर आते रहते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक डल्लेवाल के लिवर फंक्शन टेस्ट खराब आ रहे हैं।

दिलबाग सिंह की हालत ठीक नहीं

पंधेर ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि शंभू बॉर्डर पर लगातार हरियाणा पुलिस व सुरक्षा बलों की ओर से किसान नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। शुक्रवार को दिल्ली कूच करने गए जत्थे में शामिल किसान नेता सुरजीत सिंह फूल को घायल किया गया। वहीं रविवार को रेस्क्यू टीम में शामिल किसान नेता दिलबाग सिंह को घायल किया गया। दिलबाग सिंह की हालत ठीक नहीं है और उन्हें इमरजेंसी में शिफ्ट किया जा रहा है।

किसान पीछे हटने वाले नहीं- पंधेर

पंधेर ने कहा कि केंद्र के मंत्री आए दिन उल्टे सीधे बयान देते रहते हैं। यही वजह है कि मोदी सरकार ने लोगों में अपना विश्वास खो दिया है। हरियाणा व पंजाब पुलिस प्रशासन ने किसानों से समय मांगा था, उन्हें दे दिया। अब अगर बातचीत का न्योता आता है, तो बहुत अच्छा है। लेकिन अगर नहीं आता है, तो फिर मंगलवार को दोनों फोरमों की ओर से बैठक में विचार करने के बाद दिल्ली कूच पर फैसला लिया जाएगा। किसान पीछे हटने वाले नहीं हैं। हर हाल में अपनी मांगों को केंद्र से मनवा कर ही रहेंगे। पंधेर ने पंजाब के सभी गायकों व प्रसिद्ध शख्सियतों से बॉर्डरों पर अपनी मांगों को लेकर महीनों से बैठे किसानों के हक में आगे आकर आवाज बुलंद करने की अपील भी की।

राजनीति भी तेज

किसान आंदोलन पर पंजाब में राजनीति भी तेज हो गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने कहा कि किसान बस यही मांग रहे हैं कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी दी जाए। लेकिन केंद्र का व्यवहार ठीक नहीं है। किसानों पर लाठीचार्ज हो रहा है और उन्हें दिल्ली नहीं जाने दिया जा रहा है।

एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पी को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद ने दी विदाई

पुलिस कमिश्नर से लेकर सभी एसीपी और थाना प्रभारी रहे मौजूद

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम में लगभग दो साल तक एडिशनल सीपी का पदभार संभालने वाले दिनेश कुमार पी का मंगलवार को गाजियाबाद पुलिस लाइन के सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र से लेकर कमिश्नरेट सिस्टम के सभी एसीपी और थाना प्रभारियों ने उन्हें विदाई दी और उनके साथ बिताए पलों को याद किया। इस दौरान परंपरा के अनुसार एडिशनल सीपी की गाड़ी को पुलिस के अधिकारियों ने धक्का लगाकर रवाना किया और उनको बस्ती परिक्षेत्र का नया डीआईजी बनाए जाने के लिए शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर पुलिस कमिश्नर गाजियाबाद अजय मिश्र, डीसीपी सिटी जोन राजेश कुमार, डीसीपी ट्रांस हिंडन जोन निमिष दशरथ पाटिल, डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष सिंह, एडीसीपी प्रोटोकॉल आनंद कुमार, एडीसीपी क्राइम सचिदानंद के साथ ही एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र सिंह, एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय, एसीपी शालीमार गार्डन सलोनी अग्रवाल, एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा, एसीपी लोनी सूर्यबली, एसीपी कवि नगर अभिषेक श्रीवास्तव, एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा, एसीपी घंटाघर कोतवाली रितेश त्रिपाठी ,एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन, एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम, एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय, एसीपी वेव सिटी लिपि नगायच, एसीपी महिला अपराध प्रियाश्री पाल, एसीपी अजय कुमार सहित सभी थानों के प्रभारी और थानाध्यक्ष भी विदाई समारोह में उपस्थित रहे।

अरविंद केजरीवाल की ऑटोवालों को पांच बड़ी गारंटी बच्चों की कोचिंग का खर्च और मिलेगा इंश्योरेंस

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ऑटो वालों के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने दिल्ली में एक बार फिर सरकार बनने पर ऑटो वालों को पांच गारंटी दी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में दोबारा आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर हर ऑटो चालक का 10 लाख तक का जीवन बीमा और 5 लाख का एक्सीडेंट इंश्योरेंस होगा। बेटी की शादी में एक लाख की सहायता दी जाएगी। वर्दी के लिए साल में 2 बार 2500 रुपये दिए जाएंगे। ऑटो वालों के बच्चों को कॉम्पिटिशन के एग्जाम की तैयारी के लिए कोचिंग का खर्च सरकार उठाएगी। 'पूछो ऐप' फिर से चालू होगा। बता दें कि इससे पहले अरविंद केजरीवाल और उनकी पत्नी सुनीता ने कोंडली में ऑटो ड्राइवर नवनीत कुमार के घर पर लंच किया था। नवनीत ऑटो चालक ने आईएएनएस को बताया कि अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए, इसकी हमें बहुत खुशी हुई। हमने उनके के लिए देसी खाना बनाया और उन्होंने वही खाया। उनके साथ घर परिवार वाली बातचीत हुई। हमने सोचा नहीं था कि हमारे दर्द को दर्द होने से पहले कोई जानेगा। अरविंद केजरीवाल ने पहले ही निवारण कर दिया। उन्होंने कहा कि हम उनके परिवार के सदस्यों की तरह हैं। ऑटो चालक की पत्नी पूजा देवी ने आईएएनएस को बताया कि अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए, हमें बहुत अच्छा लगा। अरविंद केजरीवाल हमारे घर आए हमें एक सपने जैसा लग रहा था। लेकिन वे हमारे घर आए और उन्होंने लंच किया। बता दें कि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "कल (सोमवार को) एक ऑटो चालक रमेश कुमार की कहानी सुनकर दिल खुश हो गया। उनकी बेटी ने दिल्ली के सरकारी स्कूल से पढ़ाई कर टीचर बनने का अपना सपना पूरा किया है। ये बाबा साहब के उस सपने की जीत है जिसमें उन्होंने शिक्षा से गरीब परिवारों की तकदीर बदलने का सपना देखा था।

आज देश तेजी से आगे बढ़ रहा है : मनोहर लाल

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, 30-40 साल पहले 30 फीसद के अंदर ही शहरीकरण था। अब यह 70 फीसद क्रॉस कर गया है। पिछले 10 साल हमारे लिए महत्वपूर्ण रहे। हमने बहुत काम किया। पिछले 10 सालों में हमने 2014 से 2024 तक बहुत कुछ हासिल किया है। अब इस कार्यकाल में 6 महीने हो गए हैं। उन्होंने कहा, कई योजनाओं का विस्तार धीरे-धीरे कर रहे हैं और उसकी गति पहले से ज्यादा कैसे तेज हो, इसके लिए भी बहुत काम किए हैं। उन्होंने कहा, इस बार यह तय किया गया है कि बिना मांग के भी पहले चरण में आवासों को सैंक्शन दिया जाएगा। यह निर्णय इसलिए लिया गया, क्योंकि मांग आने में बहुत समय लगता है, और उसके बाद प्रक्रिया पूरी करने में भी समय लग जाता है। खासतौर पर, पांच साल के इस प्रोग्राम में शहरी क्षेत्र में एक करोड़ मकान बनाने का लक्ष्य है, और उसका एक छोटा हिस्सा यानी लगभग 6 फीसद या 7 फीसद पहले चरण में अनुमोदित किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसमें एक विशेष पहल की गई है कि कुछ राज्यों को पहले ही अनौपचारिक सैंक्शन मिल जाएगा, और यह सात लाख मकानों के लिए होगा। इस सैंक्शन से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इन राज्यों में जितने मकान निर्धारित हैं, उन्हें इस साल पूरा किया जा सके। यह एक तरह का प्रावधान होगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि इन राज्यों को सैंक्शन मिलने पर उनके पास इस साल के लिए एक निश्चित संख्या में मकानों की गारंटी होगी। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री आवास योजना में जो भी डिमांड आती थी, उसके हिसाब से आवासों का आवंटन करते थे। लेकिन, इस बार यह तय किया गया है कि जो डिमांड आती है, उसे सेंक्शन करने में बहुत समय लग जाता है। इसलिए पहले चरण का जो हमारा सैंक्शन है, वह डिमांड के बिना किया जाएगा, क्योंकि यह पांच साल का प्रोग्राम है। इस पांच साल के प्रोग्राम में एक करोड़ मकान शहरी क्षेत्र में बनाए जाने हैं। इसका एक छोटा हिस्सा, यानी छह या सात प्रतिशत, अभी तय नहीं है। उन्होंने कहा, अगर किसी राज्य में किसी कारणवश किसी प्रकार का घाटा होता है, तो हम पहले किस्त के पैसे का ट्रांसफर कर देंगे। इसके अलावा, जो भी डिमांड 31 मार्च तक आएगी, उसकी समीक्षा कर अगले वर्षों के लिए सैंक्शन प्रारंभ में ही बता दिए जाएंगे। ताकि कोई भी लाभार्थी या निर्माण करने वाला व्यक्ति यह जान सके कि पांच साल में उसे कब मकान मिलेगा।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की फ्लीट में शामिल गाड़ियां आपस में टकराईं, एसीपी सहित कई लोग घायल

लखनऊ। राजधानी में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की फ्लीट में शामिल गाड़िया दुर्घटनाग्रस्त हो गईं। स्टाफ के कई लोग घायल हो गए। वह एयरपोर्ट से निकलकर शहीद पथ से एक कार्यक्रम में जा रहे थे। ल्राजधानी लखनऊ में मंगलवार को हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की फ्लीट में शामिल गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसे में उनके स्टाफ के सदस्य घायल हो गए। हादसा शहीद पथ स्थित लुलु मॉल के पास हुआ। सुबह 8:10 बजे राज्यपाल लखनऊ एयरपोर्ट से शहीद पथ की ओर रवाना हुए। रास्ते में अचानक उनकी फ्लीट में शामिल कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं।

राज्यपाल एक कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे थे। एयरपोर्ट से वह सड़क मार्ग से शहीद पथ के रास्ते जा रहे थे। इसी दौरान लुलु मॉल के पास अचानक फ्लीट की कई गाड़ियां आपस मे टकरा गईं। हादसे में पुलिसकर्मियों समेत कुछ स्टाफ के सदस्य घायल हो गए।

अफसरों की कार्यशैली पर सवाल

बताया जा रहा है कि फ्लीट के सामने अचानक एक वाहन ने ब्रेक लगा दिया था, जिसकी वजह से हादसा हुआ। हादसे में राज्यपाल सुरक्षित हैं। पुलिस हादसे का कारण पता लगा रही है। हादसे के बाद सुरक्षा में तैनात अफसरों की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि जिन पुलिसकर्मियों की लापरवाही सामने आएगी, उनके खिलाफ कार्रवाई होगी।

शहीद पथ पर लगा जाम

फ्लीट में एसीपी गाजीपुर भी शामिल थे। वह भी घायल हुए हैं। उनको दूसरी गाड़ी से भेजा गया है। हादसे की वजह से शहीद पथ पर जाम लग गया है। जाम की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है।

राज्यसभा में जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव, नोटिस पर 60 सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच टकराव सोमवार को चरम पर पहुंच गया था। इस टकराव के बाद विपक्ष ने धनखड़ को उनके कार्यकाल से हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव लाने फैसला किया।

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उच्च सदन में विपक्ष ने इस संबंध में नोटिस दिया है। विपक्षी दलों ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया। नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया है। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच टकराव सोमवार को चरम पर पहुंच गया था। इस टकराव के बाद विपक्ष ने धनखड़ को उनके कार्यकाल से हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव लाने फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस, राजद, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई-एम, जेएमएम, आप, डीएमके समेत करीब 60 विपक्षी सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस की अगुआई में यह नोटिस विपक्षी दलों और राज्यसभा के सभापति के बीच जारी गतिरोध के मद्देनजर आया है। उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए न्यूनतम आवश्यक संख्या 50 है। दरअसल, विपक्ष कई मुद्दों को लेकर धनखड़ से नाराज है। इसमें सबसे ताजा मामला यह है कि उन्होंने उच्च सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों को कांग्रेस-सोरोस संबंध का मुद्दा उठाने की अनुमति दी। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा के सभापति पर पक्षपात करने का आरोप लगाया था। इससे पहले इस साल अगस्त में भी विपक्षी गठबंधन की पार्टियों ने उपराष्ट्रपति को उनके पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए नोटिस देने पर विचार किया था। संविधान के अनुच्छेद 67(ख) के मुताबिक, उपराष्ट्रपति को राज्यसभा की ओर से पारित संकल्प द्वारा उसके पद से हटाया जा सकता है, जिसे राज्यसभा के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित किया गया हो। इसके अलावा इसे लोकसभा की भी हरी झंडी मिलनी चाहिए। हालांकि, इस खंड के प्रयोजन के लिए कोई संकल्प तब तक प्रस्तुत नहीं किया जा सकता, जब तक कि संकल्प प्रस्तुत करने के आशय की कम से कम 14 दिन की सूचना न दी गई हो।

इस बीच बीजू जनता दल के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कहा कि उनकी पार्टी राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के इंडिया ब्लॉक के कदम पर सोचसमझकर ही फैसला करेगी। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया।

अगस्त में भी विपक्षी गठबंधन ने बनाई थी योजना

इससे पहले अगस्त में भी विपक्षी गठबंधन को प्रस्ताव पेश करने के लिए नेताओं के हस्ताक्षर की जरूरत थी, लेकिन उस समय वे आगे नहीं बढ़े। उन्होंने राज्यसभा के सभापति को एक मौका देने का फैसला किया, लेकिन सोमवार को उनके व्यवहार को देखते हुए विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया।

तृणमूल कांग्रेस के रुख पर अब भी संशय

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी (आप), समाजवादी पार्टी (सपा) समेत विपक्षी गठबंधन के कई सदस्य इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाने के लिए साथ हैं। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के रुख पर अब भी संशय नहीं बना हुआ है।

निजी बस गहरी खाई में गिरी, चालक सहित दो की मौत, 20 से अधिक यात्री घायल

शिमला। यात्रियों से भरी एक निजी बस के गहरी खाई में गिरने से कई लोग घायल हुए हैं। हादसे में अभी तक चालक सहित दो लोगों की मौत की सूचना है। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के आनी क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यात्रियों से भरी एक निजी बस के गहरी खाई में गिरने से कई लोग घायल हुए हैं। हादसे में अभी तक चालक सहित दो लोगों की मौत की सूचना है। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह एक निजी बस(एनपीटी) करसोग के आनी जा रही थी। इसी दौरान ' सुबह करीब 11:00 बजे श्वाड-निगान सड़क पर बस शकेलड़ के समीप गहरी खाई में गिर गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई । हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि हादसे के दौरान बस में 25 लोग सवार थे। सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद स्थानीय लोग घटना स्थल पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। साथ ही पुलिस को भी सूचित किया। पुलिस के साथ प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची है। डीसी कुल्लू तोरुल एस रवीश ने कहा कि बस चालक की दुर्घटना स्थल पर ही मौत हो गई। यात्रियों को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया है। हमारी टीम मौके पर है। घायलों ने बताया कि बस का पट्टा टूटने से हादसा हुआ। पट्टा टूटने के बाद बस अनियंत्रित होकर 100 मीटर नीचे खड्ड में जा गिरी। डीएसपी आनी चंद्रशेखर कायथ ने कहा कि सुबह 11 बजे तक हादसे के सूचना मिली थी। इसके बाद टीम मौके के लिए रवाना हुई। मौके पर पहुंचने पर अधिकतर घायलों को स्थानीय लोगों ने अपनी निजी गाड़ियों से अस्पताल पहुंचा दिया था। बाकि घायलों को एंबुलेंस व अन्य गाड़ियों से अस्पताल भेजा गया। बस सड़क से करीब 100 मीटर नीचे खड्ड में जा गिरी।

हरियाणा में निकाय चुनाव अकेले लड़ेगी आप

चण्डीगढ़। किसानों के मुद्दे पर सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते वह किसान आंदोलन का समर्थन करते हैं। किसानों को दिल्ली जाने से रोका जाना गलत है। पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से किसानों के लिए किए वादों को भुला दिया गया। आम आदमी पार्टी हरियाणा में निकाय चुनाव अकेले अपने चुनाव चिन्ह पर लड़ेगी। हरियाणा आप के प्रदेश अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने सेक्टर 27 प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। गुप्ता ने कहा कि आप अपने सिंबल पर चुनाव में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस अगर आप के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ती तो निश्चित ही वर्तमान नतीजे अलग होते। कांग्रेस हाईकमान की मंशा थी कि आप के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ें। लेकिन, हरियाणा नेताओं के कारण गठबंधन नहीं हुआ और चुनाव परिणाम बदल गया। किसानों के मुद्दे पर सुशील गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते वह किसान आंदोलन का समर्थन करते हैं। किसानों को दिल्ली जाने से रोका जाना गलत है। पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से किसानों के लिए किए वादों को भुला दिया गया। उसी वादों को याद दिलाने के लिए किसान सड़क पर उतरे हैं।

यूपी के फतेहपुर में नूरी मस्जिद के अतिक्रमण वाले हिस्से पर चला बुलडोजर

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर स्थित लल्लौली कस्बे में मंगलवार को करीब 185 साल पुरानी मस्जिद के एक हिस्से को सड़क चौड़ीकरण और नाला निर्माण को लेकर गिरा दिया गया। विभाग का कहना है, वह हिस्सा अतिक्रमण करके बनाया गया था। एडीएम अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि फतेहपुर जिले के लल्लौली कस्बा बहुआ चिल्ला मार्ग पर पीडब्ल्यूडी विभाग निर्माण खंड 2 का है। यहां पर मस्जिद का भाग मार्ग के सरेखण में था। इसको लेकर अगस्त महीने में भी पीडब्ल्यूडी विभाग ने नोटिस दिया था। इसके अलावा 139 अन्य लोगों को नोटिस दिया गया था। सारा अतिक्रमण सितंबर माह में हटा दिया गया था। लेकिन, मस्जिद प्रबंध कमेटी ने कुछ समय मांगा था। उन्होंने खुद अतिक्रमण हटाने की बात कही थी। लेकिन, अतिक्रमण नहीं हटाया गया। नाला और मार्ग चौड़ीकरण करने के लिए अतिक्रमण वाला भाग जो बाद में बनाया गया था, उसे हटा दिया गया। मामला कोर्ट में होने के बारे में उन्होंने बताया कि न्यायालय का कोई आदेश नहीं है। शांतिपूर्ण ढंग से अतिक्रमण को हटा दिया गया। किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हुई। पर्याप्त पुलिस व्यवस्था थी। शांति व्यवस्था कायम है, अतिक्रमण की जद में आई मस्जिद का पिछला हिस्सा तोड़ा जा रहा है। नूरी मस्जिद के मुतवल्ली मोहम्मद मोईन खान ने बताया कि पीडब्ल्यूडी से समय मांगा गया था। लेकिन, उस समय यमुना नदी में बाढ़ थी। मजदूर नहीं मिल रहे थे। मजदूर मना कर रहे थे। हम लोग कोर्ट गए पहले 6 दिसंबर की तारीख लगी थी। लेकिन, अर्जी की सुनवाई नहीं हुई। इसकी 12 दिसंबर को सुनवाई होनी थी। लेकिन, पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि यह तकरीबन 185 साल पुरानी मस्जिद है। कोर्ट का निर्णय हमारे लिए मान्य होगा। बता दें कि 24 सितंबर को पीडब्ल्यूडी ने सड़क चौड़ीकरण को लेकर अतिक्रमण अभियान चलाया था। उस दौरान मस्जिद कमेटी से जुड़े लोगो ने स्वयं से अतिक्रमण हटाने के लिए एक माह का समय मांगा था। लेकिन, तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इस बीच मस्जिद कमेटी का पक्ष हाईकोर्ट पहुंचा था। हाईकोर्ट ने 12 दिसंबर को सुनवाई की तिथि तय की थी।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। बुधवार 11 दिसंबर – 2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

वार्ड-19 के उपचुनाव में है इन चेहरों की प्रतिष्ठा दांव पर

मेयर-मंडल प्रभारी और महानगर अध्यक्ष को भी कायम रखना है यहां जीत का रिकॉर्ड

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड-19 में उपचुनाव हो रहा है। नगर निगम के इस वार्ड में लगातार भाजपा चुनाव जीतती आई है और यहां से भाजपा पार्षद उर्मिला चौहान का निधन हो जाने के बाद ये सीट खाली हुई है और इस पर उपचुनाव हो रहा है। हालांकि नगर निगम की बात करें तो उपचुनाव दो वार्डों में हो रहा है। दोनों ही वार्डों में पार्षदों के निधन के बाद ये चुनाव हो रहा है। लेकिन अगर भाजपा की दृष्टि से देखें तो यहां सबसे ज्यादा शोर वार्ड-19 में मच रहा है। वार्ड-19 में सिम्पैथी कार्ड नहीं चला और यहां पार्टी ने दूसरा उम्मीदवार उतारा।

यहां टिकट को लेकर गहमागहमी रही है और बताया ये जाता है कि वार्ड-19 के चुनाव नतीजे से कई चेहरों की प्रतिष्ठा जुड़ी है। यहां महानगर अध्यक्ष के रूप में शहर विधायक संजीव शर्मा को अपनी जीत के सिलसिले को कायम रखना है। बताया जाता है कि यहां चुनाव नतीजा मेयर सुनीता दयाल की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है।

इस टिकट में सीधे-सीधे मेयर का दखल माना जाता है और अब कहीं ना कहीं ये चुनाव मेयर की प्रतिष्ठा से भी जुड़ गया है। इसके अलावा यहां चुनाव की परफॉर्मेंस को लेकर मंडल प्रभारी मोनिका पंडिता पर भी निगाहें हैं। वो मंडल का प्रभार संभाल रही हैं और पूरे चुनाव को देख रही हैं। वार्ड-19 के उपचुनाव की प्रतिष्ठा इस वार्ड में रहने वाली और भाजपा शहर मंडल के अध्यक्ष महिम गुप्ता से भी जुड़ी हैं। यहां एक पार्षद और एक पूर्व पार्षद भी मैदान में हैं। इस वार्ड के वार्ड-9 की पार्षद शीतल चौधरी की भी प्रतिष्ठा जुड़ गई है और यहां चुनावी रण में कूद चुकी पूर्व पार्षद साक्षी नारंग भी लगातार वार्ड में भागदौड़ कर रही हैं। चुनाव के नतीजों से भाजपा अनुसूचित मोर्चा की पदाधिकारी सुमन जाटव भी कहीं ना कहीं करेक्ट हैं। कुल मिलाकर लगभग 12 बूथ वाला और 14 से 15 हजार की आबादी वाला ये वार्ड भाजपा के बीच ही प्रष्ठिता का प्रश्न बनता जा रहा है। हालांकि ये भाजपा का गढ़ है और यहां लगातार भाजपा जीतती आई है, लेकिन अब जैसी स्थिति पहले इस वार्ड में नहीं आई है। ऐसे में यहां कई चेहरे हैं जिनकी भूमिका है और अब ये देखना है कि यहां भाजपा का क्या चुनावी परफॉर्मेंस रहता है।

चुनाव में गर्मजोशी का रंग और पूर्व पार्षद साक्षी नारंग

करंट क्राइम। भाजपा में उम्मीदवार घोषित किया और यहां सबसे पहले इसी वार्ड से भाजपा की पार्षद रही साक्षी नारंग आगे आई। वो रंजीता कल्याणी के प्रस्तावक के रूप में उनका नामांकन दाखिल कराने पहुंची। उनकी गर्मजोशी का रंग इस चुनाव में दिखाई दे रहा है। वो लगातार मेहनत कर रही हैं, चुनाव प्रचार कर रही हैं। उनके साथ दूसरे मोहल्ले के एक नवभाजपाई भी लगे हुए हैं। यहां पूर्व पार्षद साक्षी नारंग की प्रतिष्ठा से भी ये चुनाव जुड़ गया है। इसके अलावा यहां पूर्व पार्षद लवली कौर भी प्रचार में जुटी हैं।

टिकट घोषित होते ही दी बधाई और फिर अचानक दूरी बनाई

करंट क्राइम। प्रतिष्ठा की बात चल रही है तो यहां वार्ड-9 की पार्षद शीतल चौधरी का नाम सबसे पहले आता है। उन्होंने कार्यकर्ता को टिकट देने की मांग बहुत पहले से ही करनी शुरू कर दी थी और वो सुमन जाटव के लिये पैरोकारी भी कर रही थीं। बताया जाता है कि जन्मदिन का केक भी पार्षद-19 लिखकर कटवाया गया था, लेकिन यहां टिकट ना तो सुमन जाटव को मिला और ना ही दिवंगत पार्षद उर्मिला चौहान की बेटी मानसी को मिला। यहां भाजपा अनुसूचित मोर्चा के महानगर अध्यक्ष अनिल कल्याणी के पत्नी रंजीता कल्याणी को टिकट मिला। यहां बड़ा दिल शीतल चौधरी ने दिखाया और सुमन जाटव ने भी पार्टी प्रोटोकॉल पर चलते हुए टिकट घोषित होते ही अनिल कल्याणी के घर जाकर उम्मीदवार घोषित हुई उनकी पत्नी रंजीता कल्याणी को बधाई दी, लेकिन उसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि इन दोनों में से एक चेहरे ने धीरे-धीरे दूरी नाप ली। यह चेहरा अब इस चुनाव में उस जोश के साथ नहीं है जो पहले दिन दिखाई दे रहा था।

मेयर की रही है बड़ी भूमिका और सांसद रहे हैं तटस्थ

करंट क्राइम। वार्ड-19 का चुनाव भाजपाईयों के बीच ही रोचक मोड में आ गया है। ये वार्ड का उपचुनाव है लेकिन ये बताया जाता है कि यहां कल्याणी के कल्याण में और चौहान का गेम फिनिश करने में मेयर सुनीता दयाल की एक बड़ी भूमिका रही है। कहा जाता है कि वो परिवारवाद के पक्ष में नहीं थीं और अब जब टिकट घोषित हो गया है और 17 दिसंबर को यहां चुनाव होना है तो यहां मेयर सुनीता दयाल पर भी सभी की निगाहें हैं। वहीं भाजपा खेमा ये बता रहा है कि यहां लोकसभा सांसद अतुल गर्ग की भूमिका तटस्थ रही है। उन्होंने कार्यकर्ता को टिकट देने की बात कही और बाकी फैसला संगठन पर छोड़ दिया।

मोहल्ला बन गया गोमती नदी और पोस्टरों में नहीं दिखीं उर्मिला चौहान

करंट क्राइम। चुनाव हो रहा है और इस चुनाव में सबसे बड़ी बात ये है कि वार्ड की जनता वो इंट्रेस्ट नहीं ले रही है जो लेना चाहिए। हालांकि उपचुनाव में सीन कुछ उदासीन ही रहता है। लेकिन यहां तराजू दूसरे आ गए हैं। मोहल्ला सूत्र बता रहे हैं कि यहां कोई किसी की बुराई नहीं लेना चाहता है। इसलिए मोहल्ला गोमती नदी हो गया है और महानगर संगठन के आदेश के बाद भी पोस्टरों पर उर्मिला चौहान का फोटो नहीं दिख रहा है। अव्वल तो ये है कि वार्ड में पोस्टर ही नहीं दिख रहे हैं। चुनाव में कुछ दिन बाकी है, लेकिन होर्डिंग, बैनर, पोस्टर का जोश कहीं नहीं है। वहीं मोहल्ला सूत्र ये भी बता रहे हैं कि इस बार बारादरी फैक्टर भी चुनाव में आ गया है। इसका इफेक्ट पड़ सकता है और ये एक हवा चल रही है कि वार्ड में रहने वाले को ही वार्ड अपना पार्षद चुनेगा।

नदिया पार के पहलवान का भी रहेगा कितना रोल

करंट क्राइम। वार्ड का चुनाव शहर मंडल में हो रहा है और यहां नदिया पार के भगवा पहलवान का भी इंटरफेयर बताया जाता है। चर्चा यही है कि मेयर के बाद दूसरा इंटरफेयर यशपाल पहलवान का रहा है। अब कहीं ना कहीं चुनाव से उनकी प्रतिष्ठा भी कनेक्ट हो रही है।

कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ने किया जीत का दावा

कहा- बदल रही है हवा और यहां से जीतेगी कांग्रेस उम्मीदवार रेखा मकवाना

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड-19 के उपचुनाव में कांग्रेस ने भी ताल ठोंकी है। यहां से कांग्रेस ने रेखा मकवाना को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस उम्मीदवार रेखा मकवाना प्रचार कर रही हैं और यहां कांग्रेस महानगर संगठन दो मीटिंग भी कर चुका है। दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने दावा किया कि यहां हवा बदल रही है और कांग्रेस की रेखा मकवाना चुनाव जीतेंगी। विजय चौधरी ने कहा कि रेखा मकवाना इसी वार्ड की निवासी हैं और यहां हम विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि सिम्पैथी वोट कांग्रेस को ट्रांसफर हो रहा है। कांग्रेस उम्मीदवार यहां जनसमर्थन के साथ चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस को वार्ड की जनता वोट और सपोर्ट दोनों करने जा रही है।

शहर मंडल प्रभारी मोनिका पंडिता जीत को लेकर आश्वस्त

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा की शहर मंडल प्रभारी मोनिका पंडिता वार्ड-19 के उपचुनाव में जीत को लेकर आश्वस्त हैं। करंट क्राइम से बातचीत में उन्होंने कहा कि भाजपा का ये गढ़ है और यहां भाजपा जीतती आई है, लिहाजा यहां कोई चेहरा नहीं बल्कि कमल का फूल खिलता है। उन्होंने कहा कि यहां से पहले भाजपा की लवली कौर चुनाव जीती थीं। उसके बाद साक्षी नारंग चुनाव जीती और फिर उर्मिला चौहान यहां भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतीं। उन्होंने कहा कि जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं। उपचुनाव है इसलिए मतदाताओं में नीरसता एक फैक्टर है, लेकिन यहां भाजपा की जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हूं।

'कौन बनेगा भाजपा संगठन का सरताज'

सक्रियता का ट्रैक रिकॉर्ड मजबूती देता है अध्यक्ष पद के लिए सरदार सिंह भाटी की दावेदारी को

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। दैनिक करंट क्राइम पॉलिटिकल मूवमेंट पर पूरी नजर रखता है। विधानसभा उपचुनाव के बाद अब भाजपा में संगठन चुनाव हो रहे हैं और यहां जो सबसे अहम चुनाव होना है वो भाजपा संगठन महानगर अध्यक्ष के लिये होना है। ये वो चुनाव है जो उपचुनाव के बीच में ही अपनी दस्तक दे रहा था। अध्यक्ष पद के दावेदार अपने-अपने सियासी रिपोर्ट कार्ड के साथ मैदान में हैं। संगठन चुनाव में कौन चेहरा भाजपा महानगर संगठन का सरताज बनेगा ये कॉलम दैनिक करंट क्राइम ने शुरू किया है। इस कॉलम के जरिये भाजपा की महानगर अध्यक्ष पद के दावेदार अपनी-अपनी बात रख रहे हैं। वो अपना पक्ष रख रहे हैं और दैनिक करंट क्राइम भी विश्लेषण के आधार पर ये बताएगा कि इन चेहरों को क्यों संगठन अध्यक्ष का पद मिलना चाहिए। आज इस कॉलम की शुरूआत नगर निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार सिंह भाटी से हो रही है।

सरदार सिंह भाटी मजबूत प्रोफाइल के साथ है और जनसंघ के जमाने से वो भाजपा विचारधारा की राजनीति कर रहे हैं। शालीमार गार्डन के रहने वाले सरदार सिंह भाटी जाति से ठाकुर हैं और उनका निजी व्यापार है। यदि उनके प्रोफाइल को देखें तो वो अपने मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड के साथ हैं। वर्ष 2012 से 2023 तक भाजपा का यह सक्रिय सदस्य वार्ड 37 से नगर निगम पार्षद का चुनाव जीता है। 2016 से 2017 तक वो नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष रहे हैं। अगर उनकी भाजपाई सिजरे को देखें तो वर्ष 1985 से 1987 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में एबीवीपी के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। 1992 में वो भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रहे और इसी कार्यकाल में वो कश्मीर में मानव श्रृंखला बनाने के लिये कार्यकताओं को लेकर गए और तभी उन्होंने अयोध्या में कारसेवकों को लेकर कारसेवा की।

1995 में वो नगर निगम के पार्षद बनें और 1997 में वो मोहननगर जोन के जोनल चेयरमैन बनें। संगठन की बात करें तो वर्ष 2002 में सरदार सिंह भाटी महानगर उपाध्यक्ष बनाए गए। संगठन के कामों को उन्होंने कई बार देखा है और वर्ष 2006 में वो भाजपा की महानगर कार्यसमिति के सदस्य बनाए गए। वर्ष 2007 में उन्हें भाजपा के गोवंश विकास प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया। 2010 में सरदार सिंह भाटी फिर से महानगर उपाध्यक्ष बनाए गए। 2012 में वो वार्ड संख्या-9 से नगर निगम पार्षद रहे हैं और वर्ष 2016 में वो नगर निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष बनाए गए। 2017 में फिर से वो नगर निगम पार्षद बनें। उनकी सबसे खास बात ये है कि हर चुनाव में उन्होंने भाजपा उम्मीदवारों के लिये प्रचार किया है। बूथ-बस्ते संभाले हैं और घर-घर जाकर वोट मांगे हैं। सामाजिक कार्यों में उनका मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है। निशुल्क आंखों के कैंप से लेकर सर्दियो में निशुल्क कंबल वितरण कराने के काम में रहते हैं। वृक्षारोपण और गरीब व आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति तथा गरीब लड़कियों के विवाह में आर्थिक मदद करते हैं।

अगर संगठन और भाजपा की दृष्टि से देखें तो मतदाता सूची में नामांकन हेतु कैंप लगवाकर नाम दर्ज कराए हैं। राशन कार्ड, आधार कार्ड और पहचान पत्र बनवाए हैं। श्रीराम जन्मभूमि में भी समर्पण कार्य में व्यक्तिगत सक्रियता से मंदिर निर्माण में 11 लाख रुपए का सहयोग कराया है। सरदार सिंह भाटी महानगर अध्यक्ष पद की दावेदारी में हैं। दो बार वो महानगर उपाध्यक्ष रहे हैं। महानगर कार्यकारिणी में रहे हैं और 1985 में एबीवीपी से जुड़कर तथा 1992 में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिलाउपाध्यक्ष का पद संभालने वाले सरदार सिंह भाटी की दावेदारी को उनका रिपोर्ट कार्ड मजबूती दे रहा है। अध्यक्ष पद की वो दावेदारी में हैं।

जब बेटी की शादी का पहुंचा फोन तो मेयर ने की केयर, कहा- ये हमारी जिम्मेदारी और पार्षद को भी रहना चाहिए जनता के बीच फेयर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। किस्सा एक बेटी की शादी से जुड़ा है। किस्से में सफाई का संग्राम है। किस्से में रामलीला का मैदान है। किस्से में भाजपा पार्षद का वार्ड है और किस्से में मेयर की एंट्री है। किस्से में कन्या पक्ष को राहत है और किस्से में मेयर की नसीहत है। किस्सा नदिया पार के एक मंडल से जुड़ा है। बताते हैं कि यहां विहार वाले मंडल में रामलीला का मैदान है। रामलीला का ये मैदान नगर निगम के पास है। इस रामलीला मैदान में आयोजन भी होते हैं और इन आयोजन की पर्ची नगर निगम ही काटता है। निगम पर्ची काटता है तो सफाई की जिम्मेदारी भी उसकी है। क्षेत्र के पार्षद की भी यहां के कर्मचारी सुनते हैं। किस्सा रविवार को शुरू हुआ। बताते हैं कि रविवार को रामलीला मैदान में कोई बर्थ-डे पार्टी थी और सोमवार की सुबह इसी मैदान में एक बेटी का विवाह होना था। सोमवार की सुबह जब कन्या पक्ष के लोग मैदान में पहुंचे तो मैदान में गंदगी थी। उन्होंने नगर निगम सुपरवाईजर से सफाई के लिये बोला।

बताते हैं कि यहां सुपरवाईजर ने क्षेत्र के पार्षद का नाम लिया और सफाई करवाने में आनाकानी व्यक्त की। अब बताते हैं कि पेंच कुछ ऐसा फंसा था कि क्षेत्र के भाजपा पार्षद ने जैसे निगम सुपरवाईजर को सफाई ना करने के लिये कह रखा हो। स्थानीय लोग भी सोच विचार में थे कि क्या किया जाए। इसी बीच किसी ने उन्हें सलाह दी कि नगर निगम की मुखिया मेयर है और आप लोग अपनी समस्या मेयर को बताइए वो समाधान कराएंगी। लोगों ने मेयर सुनीता दयाल को फोन मिलाया और मेयर ने आम जनता के व्यक्ति का फोन उठाया और कन्या के परिवार के लोगों ने अपनी व्यथा बताई और मेयर ने पूरी बात सुनी।

इसके बाद मेयर ने सुपरवाईजर को स्वयं फोन मिलाकर निर्देश दिये कि ये एक बेटी के विवाह की तैयारी है और इसमें किसी के भी फोन की क्या जरूरत है और तत्काल मैदान की सफाई कराई जाए। इसके बाद सुपरवाईजर से लेकर सफाई कर्मचारी एक्शन में आ गए और तुरंत सफाई हुई। लड़की के परिवार के लोगों ने मेयर का धन्यवाद किया। बताते हैं कि यहां मेयर ने ये नसीहत भी दी कि अगर क्षेत्र की बेटी की शादी है तो यहां तो पार्षद को आगे आना चाहिए। उन्हें स्वयं इस बात का ध्यान रखना चाहिए था। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सहयोग की भूमिका में होना चाहिए। मेयर ने आम जनता के फोन पर आम जनता की सुनवाई की, उनका काम भी कराया और अपने ही पार्टी के पार्षद को जनसेवा की नसीहत भी दी।

जनरली जिन चेहरों ने दिखाई है हमेशा साहब के लिए वफा क्या बदलती सियासत में बदलेंगे उनके सियासी सितारे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में हर दल के वोटर होते हैं और राजनीति में हर नेता के अपने सपोर्टर होते हैं। ये सपोर्टर वोटर भी होते हैं और ये अपने नेता के लिये पूरी तरह से समर्पित रहते हैं। गाजियाबाद में जनरल वीके सिंह के समर्थकों की भी एक संख्या है। ये वो चेहरे हैं जिन्होंने जनरली हमेशा साहब के लिये वफा दिखाई है। यहां पर भाजपा सहित कई प्रतिष्ठित लोगों का एक समूह है जो ये मानता है कि जनरल वीके सिंह केवल सांसद ही नहीं रहे हैं बल्कि वो ऐसी शख्सियत हैं जिनका किरदार सांसद से भी बड़ा है। कई ऐसे मौके आए हैं जब उन्होंने संकट मोचक की भूमिका निभाई है। वो देश की सेना के चीफ रहे हैं। ये अपने आप में एक बड़ा पद होता है। राजनीति में वो आए लेकिन उनका अपना एक मयार है और राजनीति में उन्हें बहुत कुछ मिला, लगातार केंद्रीय मंत्री रहे।

वहीं दूसरी तरफ राजनीति में हर चेहरा कुछ ना कुछ बनना चाहता है। उसकी अपनी महत्वकांक्षाएं होती हैं। कोई मंडल अध्यक्ष से महानगर की राजनीति में आना चाहता है। कोई विधायक से सांसद बनना चाहता है। कोई संगठन से विधानसभा में जाना चाहता है। राजनीति की अपनी आकांक्षाओं को मन में लेकर राजनीति के चेहरे अपना एक घर चुनते हैं, एक दर चुनते हैं। जनरल वीके सिंह जब गाजियाबाद में वर्ष 2014 में पहली बार सांसद बने तो समर्थको की एक टीम उनके साथ आई थी। ये टीम हर मौके पर साथ दिखाई दी लेकिन अब जब जनरल वीके सिंह सांसद नहीं हैं तो ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या वो चेहरे अब भी समर्थक हैं जो उनके साथ नजर आते थे। क्या इन चेहरों को अब वो तवज्जो मिलेगी।

क्योंकि ये चेहरे अभी हाशिए पर हैं और यही सवाल भगवा गढ़ में चल रहा है कि इन चेहरों का राजनीतिक भविष्य क्या होगा।

जनरली समर्थक चेहरों की बात करें तो यहां हातम सिंह नागर और विरेंद्र मुन्ना का नाम आता है। हातम सिंह नागर किसान मोर्चा में कई पदों पर रहे लेकिन विरेंद्र मुन्ना को यहां उतनी तवज्जो नहीं मिली, मगर ये दोनों साथ रहे। केडी त्यागी, भानू शिशोदिया और अश्वनी शर्मा जनरल खेमे के ही नाम हैं। अब जब कृपा लिस्ट जारी होने वाली है तो ये सवाल है कि क्या इन चेहरों का नाम इसमें आएगा। अगर जनरली खेमे की बात करें तो भाजपा महिला मोर्चा की पूनम कौशिक इसी खेमे का नाम है।

कहा जाता है कि उन्हें महानगर का ताज भी जनरली आशीर्वाद से मिला था। अब उन्हें कुछ मिलेगा या नहीं मिलेगा ये देखने की बात है। जनरली खेमे की बात करें तो यहां कई चेहरे आते हैं। इनमें कई वैश्य नेताओं के भी नाम हैं। धौलाना से जुड़े कई ठाकुर चेहरों ने जनरल खेमे से ही अपने तार जोड़कर रखे। अब इन सभी चेहरों की राजनीति वेट एण्ड वॉच मोड पर आ गई है। यहां कहने वाले ये भी कह रहे हैं कि ये राजनीति है और यहां समय के साथ नेता अपने पाले बदल लेते हैं, चाले बदल लेते हैं और समय के साथ नेता आले बदल लेते हैं। ऐसे में अब कौन किस पाले में जाएगा ये देखा जाएगा। किसने अपनी चाल बदलनी शुरू कर दी है ये देखा जाएगा और जनरल खेमे की दससाला वफा कितनी काम आएगी ये भी देखा जाएगा।

संपादकीय

महिला की पहचान मां

समय आगे बढ़ा है, लेकिन महिलाओं के मामले में हम पीछे ही लौटे हैं। पिछले दिनों जब एआर रहमान के तलाक की खबरें आईं, तो लोगों ने कानाफूसी शुरू कर दी, क्योंकि उसी समय उनकी साथी कलाकार (बेस गिटारिस्ट) मोहिनी डे ने भी अपने तलाक की घोषणा की थी। मोहिनी, जिन्होंने पुरुषों के प्रभुत्व वाली संगीत की दुनिया में अपना नाम स्थापित किया, अचानक वह लोगों की गॉसिप का मसाला बन गईं। जबकि रहमान को तुलनात्मक रूप से कम टीका-टिप्पणी का सामना करना पड़ा। उन दोनों को जिस तरह से लिया गया, इसमें फर्क समाज में गहराई से अंतर्निहित पूर्वग्रह बताता है। जाहिर है कि इसमें नया कुछ नहीं है। जब सामंथा रूथ प्रभु, कुशा कपिला और करिश्मा कपूर ने अपने तलाक की घोषणा की, तब उन्हें भी इसी तरह की प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ा था। यह लगभग वैसा ही है जैसे कि अगर किसी महिला की पहचान उसके पिता, भाई, पति या बेटे के साथ नहीं जुड़ी है, तो उसका अस्तित्व ही समाप्त हो जाना चाहिए। यह बिल्कुल वैसा ही है जैसे भारत में एक अकेली महिला समाज के लिए और परिवार के ताने-बाने के लिए बहुत बड़ा खतरा है। समाज को किसने अधिकार दिया कि एक महिला की निजी जिंदगी को हथियार बनाकर उसे उसकी पेशेवर सफलताओं के खिलाफ इस्तेमाल किया जाए? लोगों में इतना दुस्साहस कैसे पैदा हो जाता है कि अगर एक महिला अपनी खुशी को सबसे ऊपर रख रही है, तो उसे दया, बदनामी या उपहास की वस्तुओं के रूप में देखा जाए। एक उन्मुक्त आजाद महिला को हर चीज के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। हम किसी जेंडर को महज इसलिए शर्मिंदा क्यों करें, क्योंकि वो सिंगल हैं? फिर चाहे अपनी मर्जी से हों, तलाक लेकर या परिस्थितवश। हमें दो चीजें याद रखनी चाहिए। तलाक किसी के लिए सबसे दुखद घटनाओं में एक है। ऐसा कदम उठाने का साहस करने वालों के प्रति हमें उदार रहना चाहिए ना कि उन्हें जज करना या उनका तिरस्कार करना चाहिए। दूसरा, हमें इसे सहजता से लेना चाहिए कि व्यक्तिगत जीवन सार्वजनिक ड्रामा या शर्मिंदगी के बिना सुलझ सकता है। लोगों को जीने दीजिए! उन्हें इस त्रासदी से बाहर आने के लिए समय और अनुकूल माहौल दें, बजाय इसके कि उन्हें बिन मांगी राय से और ठेस पहुंचाएं। यह भी न भूलें कि एक महिला मां, बेटी, बहन या पत्नी से कहीं ज्यादा हैं। उनके करियर, महत्वाकांक्षा और उनकी अपनी पहचान का जश्न मनाना सीखें, जैसे हम पुरुषों के साथ करते हैं। एक महिला की अहमियत सिर्फ उसके शादीशुदा होने से नहीं है बल्कि समाज में उसके योगदान, उसकी पर्सनल ग्रोथ, उसके निर्णय और चुनाव से है। मोहिनी डे की पहचान सिर्फ एक नामी संगीतज्ञ के साथ जुड़ी कलाकार के रूप में नहीं है, वह अपनी क्षेत्र की महारती हैं, ऐसी महिला हैं जो प्रशंसा और सम्मान की हकदार हैं। उनका निजी जीवन उनका निजी है। सिंगल वुमन न तो खतरा हैं और न ही अधूरी हैं। वे स्वार्थी या व्यभिचारी भी नहीं हैं। सिंगल वुमन भी ताकतवर, आजाद, मुक्त होती हैं।

नवनियुक्त आरबीआई गवर्नर बोले

सभी दृष्टिकोणों को समझ अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य करूंगा

नई दिल्ली। राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी संजय मल्होत्रा के पास सार्वजनिक नीति-निर्धारण में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उनके पास बिजली, वित्त और कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। उन्हें ऐसे समय पर आरबीआई की कमान सौंपी जा रही है जब भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी विकास दर और लगातार बढ़ रही महंगाई की दोहरी चुनौती का सामना कर रही है। नियुक्ति के बाद मल्होत्रा ने क्या कहा, राजस्व सचिव और नवनियुक्त आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा 11 दिसंबर को पदभार संभालेंगे। नियुक्ति के बाद उन्होंने कहा कि वह सभी दृष्टिकोणों को समझने और अर्थव्यवस्था के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करेंगे। वित्त मंत्रालय के बाहर संवाददाताओं सवालों का जवाब देते हुए मल्होत्रा ने कहा, ₹कोई भी हो उसे क्षेत्र, सभी दृष्टिकोणों को समझना होगा और अर्थव्यवस्था के लिए सर्वोत्तम कार्य करना होगा। 56 वर्षीय मल्होत्रा, वर्तमान में वित्त मंत्रालय में राजस्व सचिव हैं, उन्हें सोमवार शाम को सरकार ने केंद्रीय बैंक के अगले गवर्नर के रूप में शक्तिकांत दास का स्थान लेने के लिए नामित किया है। राजस्थान कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी मल्होत्रा को सार्वजनिक नीति-निर्धारण में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उनके पास बिजली, वित्त और कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता है। उन्हें ऐसे समय पर आरबीआई की कमान सौंपी जा रही है जब भारतीय अर्थव्यवस्था धीमी विकास दर और लगातार बढ़ रही महंगाई की दोहरी चुनौती का सामना कर रही है। हालांकि शक्तिकांत दास ने मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए लगभग दो वर्षों तक बेंचमार्क ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा, लेकिन आने वाले गवर्नर के बारे में कहा जाता है कि वे एक टीम प्लेयर हैं, जिनका मानना है कि कीमतों को अकेले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से काबू में नहीं रखा जा सकता और इस काम के लिए सरकार की मदद भी जरूरी है। मल्होत्रा ऐसे समय में आरबीआई के 26वें गवर्नर का पदभार संभाल रहे हैं जब नीति-निर्धारकों पर विकास को गति देने के लिए ब्याज दरों में कटौती करने का दबाव है। जुलाई-सितंबर की अवधि में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 प्रतिशत पर आ गई, जबकि अक्तूबर में मुद्रास्फीति बढ़कर 14 महीने के उच्च स्तर 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई। आरबीआई के लिए सरकार की ओर से निर्धारित मुद्रास्फीति लक्ष्य 4 प्रतिशत है, जो दो प्रतिशत अधिक या कम हो सकता है।

म्यूचुअल फंड एयूएम नवंबर में पहली बार 68 लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत में म्यूचुअल फंड (एमएफ) की एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) नवंबर में बढ़कर 68.08 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो कि अक्टूबर में 67.25 लाख करोड़ रुपये थी। यह जानकारी एसोसिएशन फॉर म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के डेटा से मंगलवार को मिली। म्यूचुअल फंड्स इंडस्ट्री का एयूएम बढ़ने के बाद भी एमएफ स्कीमों में इनफ्लो नवंबर 2024 में मासिक आधार पर गिरकर 35,927.3 करोड़ रुपये रहा गया है, जो कि अक्टूबर में 41,865.4 करोड़ रुपये था। बीते महीने लार्जकैप फंड में इनफ्लो 26.3 प्रतिशत गिरकर 2,547.9 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पहले 3,452.3 करोड़ रुपये था। हालांकि, इस दौरान स्मॉलकैप में निवेश 9 प्रतिशत बढ़कर 4,112 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पहले 3,772 करोड़ रुपये था। वहीं, मिडकैप में निवेश 4.3 प्रतिशत बढ़कर 4,883.4 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि पहले 4,683 करोड़ रुपये था। नवंबर में सेक्टोरल और थीमैटिक फंड में इनफ्लो घटकर 7,658 करोड़ रुपये रह गया है, जो कि अक्टूबर में 12,278 करोड़ रुपये था। इस दौरान ईटीएफ में निवेश कम होकर 1,531.2 करोड़ रुपये रह गया है, जो कि अक्टूबर में 13,441.8 करोड़ रुपये था। इक्विटी-लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में निवेश में वृद्धि देखी गई, जो अक्टूबर के 362 करोड़ रुपये से बढ़कर नवंबर में 618.5 करोड़ रुपये हो गई। देश में नवंबर में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश 25,320 करोड़ रुपये रहा, जो अक्टूबर में 25,323 करोड़ रुपये था। अक्टूबर के बाद यह लगातार दूसरा मौका है जब एसआईपी निवेश 25,000 रुपये के आंकड़े को पार कर गया। नवंबर 2024 में एसआईपी खातों की संख्या 10,22,66,590 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो अक्टूबर में 10,12,34,212 और सितंबर में 9,87,44,171 थी। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया में एसोसिएट डायरेक्टर और मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि घरेलू निवेशकों ने नवंबर के महीने में भारतीय शेयर बाजारों में निवेश जारी रखा है। इसके साथ ही यह लगातार 45वीं महीना है, जब बाजार में मासिक प्रवाह सकारात्मक रहा है। हाल में बाजार में आई गिरावट निवेशकों के लिए निवेश का एक अच्छा अवसर है।

भारत की जीडीपी वित्त वर्ष 25 में 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान : एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि वित्त वर्ष 25 में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। वहीं, वित्त वर्ष 26 में यह दर 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसकी वजह मजबूत शहरी उपभोग, सर्विस सेक्टर की स्थिर वृद्धि दर और इन्फ्रास्ट्रक्टर में निवेश बढ़ना है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा वित्त वर्ष 25 में भारत की विकास दर को लेकर लगाया गया अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अनुमान 6.6 प्रतिशत से ज्यादा है। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग्स एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 में जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके अलावा कहा कि चालू वित्त वर्ष के साथ ही आने वाले वर्षों में भी भारतीय जीडीपी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के अर्थशास्त्री विश्रुत राणा ने कहा, हमें उम्मीद है कि महंगाई का दबाव कम होने के साथ ही केंद्रीय बैंक 2025 के दौरान मौद्रिक नीति में मामूली ढील देगा। 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर अनुमान को मजबूत बताते हुए राणा ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रह सकती है। वित्त वर्ष 2025-26 में इसके 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। वित्त वर्ष 25 में दूसरी तिमाही (जून-सितंबर 2024) के लिए जीडीपी वृद्धि 5.4 प्रतिशत रही, जो अनुमान से कम थी। हालांकि, वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के बावजूद देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, क्योंकि सरकार ने व्यापक आर्थिक स्थिरता के लिए विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन किया है। राजकोषीय प्रबंधन ने राजकोषीय घाटे और जरूरी विकास के लिए राजकोषीय सहायता के बीच सही संतुलन बनाए रखा है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि श्रम बल की अधिक भागीदारी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी में सुधार, साथ ही सार्वजनिक और घरेलू कंपनियों की मजूबत बैलेंस शीट से भारत के आर्थिक विकास को सहारा मिलेगा।

भारतीय शेयर बाजार सपाट हुए बंद, निफ्टी 24,600 के ऊपर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी दिन सपाट बंद हुआ। कारोबार के अंत में निफ्टी के ऑटो, फार्मा, मीडिया, एनर्जी और इंफ्रा सेक्टर बिकवाली में रहे। वहीं, रियल्टी सेक्टर में जोरदार खरीदारी दर्ज हुई। सेंसेक्स 1.59 अंक की मार्जिनल तेजी के साथ 81,510.05 पर बंद हुआ और निफ्टी 8.95 अंक या 0.04 प्रतिशत की मार्जिनल गिरावट के साथ 24,610.05 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू बाजार में सपाट रुख रहा, निचले स्तरों से वापसी ने गिरावट पर खरीदारी की रणनीति का संकेत दिया। वहीं, चीन की अतिरिक्त प्रोत्साहन योजनाओं ने एशियाई बाजार की धारणा को बढ़ावा नहीं दिया। व्यापक बाजार ने बेहतर प्रदर्शन किया और मिड और स्मॉल कैप के नेतृत्व में अपने सकारात्मक रुझान को बनाए रखा।जानकारों ने आगे कहा, अमेरिकी आईटी खर्च में सुधार उम्मीद में आईटी सूचकांक नए उच्च स्तर पर पहुंच गया। अमेरिका और भारत से आने वाले मुद्रास्फीति के आंकड़े संभावित भविष्य की दरों में कटौती की जानकारी के लिए महत्वपूर्ण हैं। निफ्टी बैंक 169.95 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़ने के बाद 53,577.70 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 136.65 अंक या 0.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59,135.40 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 54.60 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,583.20 पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक दे ने कहा, ₹निफ्टी ने एक और सुस्त कारोबारी सत्र का अनुभव किया, जो 24,500 से 24,650 की सीमा के भीतर सीमित रहा। जब तक सूचकांक इस सीमा से आगे निर्णायक कदम नहीं उठाता, तब तक निकट भविष्य में धारणा के एकतरफा बने रहने की संभावना है। 24,470 से नीचे टूटने पर 200 से 250 अंकों का सुधार हो सकता है, जबकि रेसिस्टेंस 24,700 से 24,750 पर देखा जा सकता है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 2,034 शेयर हरे और 1,925 लाल निशान में बंद हुए, जबकि 134 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक, एसबीआई, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एमएंडएम, टाइटन, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स और इंडसइंड बैंक टॉप गेनर्स थे।

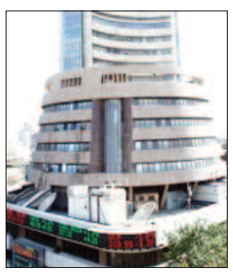

SPECIAL WISHES

दैनिक करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। एक दूसरे का हाथ थाम कर जो सफर एक दूसरे के हमसफर बन कर हेमंत तोमर और अनुपम तोमर ने 25 वर्ष पहले शुरू किया था वो पूरे हर्ष के साथ जारी है। मैरिज एनिवर्सरी की सिल्वर जुबली पर उन्हें प्रखर फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नमिता भल्ला ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल सुखद खुशहाल वैवाहिक जीवन की कामना की।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

एक औरत अपनी कुछ परेशानियों को लेकर एक बाबा के डेरे में पहुंची।
बाबा ने सारी परेशानियों को बड़े गौर से सुना।
फिर बोले बेटी... इसका हल निकल जाएगा, सब ठीक हो जाएगा।
लेकिन इसके लिए कुछ खर्च आएगा।
औरत ने पूछा - कितना खर्च आएगा?
बाबा - तुमसे मैं ज्यादा तो नहीं ले सकता।
लेकिन पुराणों के अनुसार हमारे कुल 33 करोड़ देवी देवता हैं, बस सबके नाम से एक-एक पैसा दान कर देना।
औरत ने मन ही मन कैलकुलेट किया तो बाबा के हिसाब से कुल खर्च 33 लाख रुपये आता था।
औरत भी चालाक थी।
उसने कहा ठीक है बाबाजी,
आप बारी-बारी से सबका नाम लीजिए,
मैं एक-एक पैसा रखते जाऊंगी।
बाबा डेरे में हो गए बेहोश!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ।जी ।एस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

11 12 2024

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

नाभा नतेश
अभिनेत्री

गुरमीत

अंश

संध्या शर्मा

लक्ष्मी शर्मा

कुलदीप कुमार

धीरज पांडेय

संदीप मलिक

सुनील चौधरी

अमित कुमार

निर्मेश अग्रवाल

प्रमोद

रविन्द्र त्यागी

अजय राज

कुंवरपाल धीमान

विकास कसाना

पारूल त्यागी

संदीप कुमार

दिनेश चौधरी

ऋषभ डागर

राहुल कुमार

राहुल अग्रवाल

सुरेन्द्र चौहान

मो. यूसूफ कुरेशी

एमडी हाबिल मिया

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

मेसी-रोनाल्डो के लिए फैंस के लिए बुरी खबर

पुरुषों की फीफ-प्रो विश्व एकादश में नहीं बना पाए जगह

नई दिल्ली। सर्वकालिक महान फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो सोमवार को वैश्विक खिलाड़ियों के संघ फीफप्रो द्वारा घोषित वर्ष की पुरुष विश्व टीम में जगह नहीं बना सके।

37 साल के मेसी एमएलएस में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं जबकि 39 वर्षीय रोनाल्डो सऊदी प्रो लीग में अल-नासर के लिए खेलते हैं। अंतिम एकादश के मतदान के लिए चुने गये 26 खिलाड़ियों की सूची में सिर्फ मेसी और रोनाल्डो ही थे जो किसी यूरोपीय क्लब से नहीं जुड़े है।

यह 2006 के बाद यह पहली बार है कि इस सूची में मेसी का चयन नहीं किया गया है। अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता के नाम 17 बार टीम में चुने जाने के बाद रिकॉर्ड है। रोनाल्डो को 15 बार चुना गया है लेकिन आखिरी बार 2021 में वह इस टीम में शामिल थे।

तीसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने प्रैक्टिस शुरू की

बुमराह ने वर्कलोड के चलते हिस्सा नहीं लिया 14 दिसंबर से खेला जाएगा तीसरा मुकाबला

दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। भारत ने पर्थ टेस्ट 295 रन से जीता था। वहीं दूसरा मैच ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था।

नई दिल्ली। टीम इंडिया बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के ब्रिस्बेन टेस्ट से पहले एडिलेड में मंगलवार को जमकर प्रैक्टिस की। टीम के उप कप्तान और स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा नहीं लिया। वर्कलोड को ध्यान में रखते हुए उन्हें आराम दिया गया था। तीसरा टेस्ट ब्रिस्बेन में 14 दिसंबर से खेला जाएगा। टीम इंडिया फिलहाल एडिलेड में हैं। दूसरा मुकाबला यहीं खेला गया था। टीम जल्द ही ब्रिस्बेन के लिए रवाना होगी। इउउकने सोशल मीडिया के जरिए एक वीडियो शेयर किया, जिसमें भारतीय खिलाड़ी अभ्यास करते हुए दिख रहे हैं। दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर हैं। भारत ने पर्थ टेस्ट 295 रन से जीता था। वहीं दूसरा मैच ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीता था। सीरीज का तीसरा मुकाबला 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेला जाएगा। कोहली ने ज्यादा गेंदे बैकफुट पर खेली तीसरे मैच में भी केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ओपनिंग कर सकते हैं। दोनों ने प्रैक्टिस सेशन में पहले बैटिंग शुरू की। इसके बाद भारतीय बैटिंग ऑर्डर के बाकी खिलाड़ी आए, जिनमें शुभमन गिल, विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, कोहली ने एडिलेड नेट्स में बाउंस के कारण बैकफुट पर ज्यादा गेंदे खेली।

डब्लूटीसी पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर आया भारत इस हार के बाद भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के मौजूदा साइकल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। टीम इंडिया के 57.29% पॉइंट्स हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 60.71% पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर है। साउथ अफ्रीका 59.26% लेकर दूसरे स्थान पर है।

पूजा ने जूनियर राष्ट्रीय में ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया, 1.85 मीटर की लगाई छलांग

नई दिल्ली। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने सोमवार को यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था।

इस साल की शुरूआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा। पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। जय ने 46.29 सेकंड का समय लिया।

लड़कियों की अंडर-16 भाला फेंक में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और शीर्ष छह खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। हरियाणा की मुस्कान 46.87 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बड़े अंतर से इस साल शिवानी पटेल द्वारा बनाए गए 40.01 मीटर के पिछले अंडर-16 राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

सबालेंका को शानदार प्रदर्शन का इनाम, डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

बेलारूस। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को सोमवार को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया।

सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

आईसीसी ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन किया, प्लेइंग-11 नियमों का उल्लंघन किया

लीग से तेंदुलकर, गावस्कर, अकरम जैसे नाम जुड़े

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन कर दिया है। आईसीसी ने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका क्रिकेट को लेटर लिखकर लीग के भविष्य के संस्करणों को मंजूरी नहीं देने के फैसले की जानकारी दी। लेटर में लिखा गया कि लीग में प्लेइंग इलेवन नियमों का पालन नहीं हुआ है। टी-10 फॉर्मेट के इस टूनार्मेंट में 6-7 विदेश खिलाड़ी खिलाए गए थे। एनसीएल का पहला सीजन 4 से 14 अक्टूबर के बीच हुआ था। रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली शिकागो सीसी ने अटलांटा किंग को 43 रनों से हराते हुए खिताब जीता था। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने उन्हें ट्रॉफी दी।

जीत की ओर कदम बढ़ाने उतरेंगे डी गुकेश

लिरेन के खिलाफ वापसी पर होंगी नजरें

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन के खिलाफ विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 13वें दौर के मुकाबले में जीत दर्ज कर चैंपियन बनने के लिए कदम बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे। गुकेश ने ड्रॉ का सिलसिला तोड़ते हुए रविवार को 11वें दौर में जीत दर्ज कर बढ़त बनाई थी, लेकिन सोमवार को 12वें दौर में लिरेन ने वापसी करते हुए गुकेश को हराया था। इस तरह फिलहाल दोनों खिलाड़ी छह-छह अंक की बराबरी पर हैं।

दिलचस्प मोड़ पर पहुंचा मुकाबला

सबसे कम उम्र के चैलेंजर 18 वर्षीय गुकेश और चीन के 32 वर्षीय लिरेन के बीच दिलचस्प मुकाबला चल रहा है जिसमें कोई भी खिलाड़ी लंबे समय तक अपनी बढ़त कायम नहीं रख पाया है। एक दिन के विश्राम के बाद दोनों खिलाड़ी बुधवार को फिर से एक दूसरे का सामना करेंगे। इस 14 दौर के मुकाबले में 12 दौर के बाद स्कोर 6-6 से बराबर है और जो भी खिलाड़ी सबसे पहले 7.5 तक पहुंचेगा वह विश्व चैंपियन बन जाएगा। अगर 14 दौर के बाद भी स्कोर बराबर रहता है तो फिर टाइब्रेक का सहारा लिया जाएगा। गुकेश के पास 11वीं बाजी जीतने के बाद 7.5 के जादुई अंक तक पहुंचने का मौका था लेकिन वह अगली बाजी हार गए। भारतीय खिलाड़ी को अगली बाजी सफेद मोहरों से खेलनी है और पूरा विश्वास है कि क्लासिकल प्रारूप में खेले जा रहे इस मुकाबले की इस महत्वपूर्ण बाजी में वह आक्रामक रवैया अपनाएंगे। अब जबकि मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है तब जो भी खिलाड़ी धैर्य से काम लेगा वह फायदे में रहेगा। इस मुकाबले में 10 बाजी के बाद स्कोर 5-5 से बराबर था लेकिन उसके बाद के अगले दो मैच का परिणाम निकला। लगातार ड्रॉ खेलने के कारण यह मुकाबला नीरस बन गया था लेकिन पिछले दो मैच ने इस प्रतियोगिता में नई जान फूंक दी है। अब दो दौर का खेल होना बाकी है तब दोनों खिलाड़ियों के पास बढ़त लेने का अच्छा मौका है।

दीपिका की हैट्रिक से भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराया

जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत गत विजेता भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराकर जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यह टूनार्मेंट के इतिहास में भारत की मलयेशिया पर लगातार तीसरी जीत है। 2015 में भारत ने 9-1 से और 2023 में 2-1 से जीत दर्ज की थी। भारत ने पिछले मैच में बांग्लादेश को 13-1 से रौंदा था।

भारत के लिए इस मैच में दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल किया, जबकि वैष्णवी फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38वें मिनट में गोल किया। पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद मलयेशियाई रक्षण के आगे भारतीय टीम मध्यांतर तक कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन तीसरे क्वार्टर से स्थितियां बदल गईं। 32वें मिनट में वैष्णवी ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। पांच मिनट बाद दीपिका ने पेनाल्टी कॉर्नर पर ही गोल किया। 37वें मिनट में कनिका ने मैदानी गोल दागा। इसके बाद दीपिका ने पेनाल्टी स्ट्रोक और पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। छह अंकों के साथ गोल अंतर के आधार पर चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। दीपिका छह गोल के साथ टूनार्मेंट संयुक्त रूप से शीर्ष गोल स्कोरर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़े मैच विनर हैं ट्रैविस हेड, उनका शतक देता है टीम को जीत की गारंटी

नई दिल्ली। ट्रैविस हेड ने टीम इंडिया के पसीने छुड़ाए हुए हैं। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल की बात हो या फिर वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल की बात हो या अब एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट मैच की बात हो। ट्रैविस हेड ने इन तीनों ही मैचों में दमदार शतक अपनी टीम के लिए जड़े और अपनी टीम को मैच जिताने में सफल रहे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे बड़े मैच विनर इस समय ट्रैविस हेड ही हैं। ट्रैविस हेड का इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक जड़ना, ऑस्ट्रेलिया के लिए एक तरह से जीत की गारंटी होता है।

दरअसल, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में जितने भी शतक जड़े हैं, उनमें एक बार भी ऑस्ट्रेलिया की टीम को हार नहीं मिली है। ऐसे में कहा जा सकता है कि उनका शतक ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत की गारंटी होता है। टेस्ट क्रिकेट में वे 8 शतक और वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में 6 शतक जड़ चुके हैं। इन सभी मैचों में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली है। जिन मैचों में ट्रैविस हेड ने शतक जड़े हैं, वे खास मैच ही थे। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के बड़े मैच विनर इस समय ट्रैविस हेड ही हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया गेंदबाजी के दम पर ज्यादा मैच जीतती है।

ट्रैविस हेड ने टेस्ट क्रिकेट में 8 में से सात शतक ऑस्ट्रेलिया में जड़े हैं और इनमें से भी तीन शतक एडिलेड में आए हैं। एक शतक उन्होंने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जड़ा था, जो इंग्लैंड में खेला गया था। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में भी एक शतक वे एडिलेड के मैदान पर जड़ चुके हैं। एक और शतक वे मेलबर्न में जड़ने में सफल रहे हैं, जबकि वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में अन्य चार शतक उन्होंने भारत (2), पाकिस्तान और इंग्लैंड की सरजमीं पर जड़े हैं। भारत के खिलाफ वे अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट में चार शतक जड़ चुके हैं और चारों बार ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत मिली है।

विश्व कप 2034 की सऊदी अरब की मेजबानी पर मोहर लगाएगा फीफा

नई दिल्ली। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा बुधवार को अपनी विशेष बैठक में 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबान के रूप में सऊदी अरब के दावे पर अंतिम मोहर लगाएगा। इसके अलावा 2030 में होने वाले विश्व कप का आयोजन तीन महाद्वीप और छह देश में करने के फैसले की भी पुष्टि की जाएगी। इस विश्व कप की मेजबानी तीन देशों स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को सौंपी गई है लेकिन इसके तीन मैच दक्षिण अमेरिकी देशों में खेले जाएंगे। उरुग्वे ने 1930 में पहले विश्व कप फुटबॉल टूनार्मेंट की मेजबानी की थी। वह 2030 में होने वाले विश्व कप के पहले मैच की मेजबानी भी करेगा। इससे पहले उद्घाटन समारोह अभी इसी देश में आयोजित किया जाएगा। उरुग्वे के अलावा अर्जेंटीना और पराग्वे भी 2030 में होने वाली प्रतियोगिता के एक-एक मैच की मेजबानी करेंगे।

फीफा इसके लिए बुधवार को ज्यूरिख में एक विशेष कांग्रेस का आयोजन करेगा। इस बैठक में उसके 211 सदस्य ऑनलाइन भाग लेंगे। फीफा मुख्यालय में बंद कमरे में होने वाली बैठक का इसकी वेबसाइट पर सीधा प्रसारण किया जा सकता है।

विश्व कप 2030 और 2034 मेजबानों की पुष्टि पंजीकृत वोट के बजाय संयुक्त निर्णय से की जा सकती है। फीफा ने 2026 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी के लिए जून 2018 में मॉस्को में हुए मतदान में प्रत्येक सदस्य की पसंद का खुलासा किया था। तब अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको ने संयुक्त मेजबानी हासिल की थी। उन्होंने मेजबानी की दौड़ में मोरक्को के खिलाफ 134-65 वोट से जीत हासिल की।

साल 2024 में रोहित-विराट का औसत जडेजा से भी खराब

हिटमैन इस साल 14 बार दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके

बतौर कप्तान दूसरा सबसे खराब औसत

टेस्ट में कम से कम 1000 रन बनाने वाले भारतीय कप्तानों में रोहित शर्मा का औसत दूसरा सबसे खराब है। रोहित ने बतौर कप्तान 32.42 की औसत से रन बनाए हैं। इस मामले में उनसे खराब औसत सिर्फ कपिल देव का है। कपिल ने बतौर टेस्ट कप्तान 31.72 की औसत से रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में साल 2024 में बल्लेबाजी लाइन अप के शीर्ष छह बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा बार दहाई का आंकड़ा नहीं छूने के मामले में रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर बांग्लादेश के नजमुल शांतो हैं। उन्होंने इस साल तीनों प्रारूप को मिलाकर 15 बार दहाई का आंकड़ा नहीं छुआ। वहीं, रोहित, अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह ओमरजई और दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम ने 14-14 बार सिंल डिजिट का स्कोर बनाया।

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला ब्रिस्बेन के गाबा में 14 दिसंबर से खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। हालांकि, तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली का फॉर्म चिंता का विषय है। दोनों इस साल पूरी रंगत में नहीं दिखे हैं। एक वक्त 55 से ज्यादा की औसत से बल्लेबाजी करने वाले विराट का फॉर्म ऐसा गिरा कि उनका बल्लेबाजी औसत 47 के करीब पहुंच चुका है। वहीं, रोहित पिछली 12 पारियों से कोई शतक नहीं लगा सके हैं। उनका नहीं चलने से भारतीय टीम को अच्छी शुरूआत तक नहीं मिल पा रही है।

साल 2024 में रोहित और विराट दोनों का टेस्ट में औसत रवींद्र जडेजा से भी खराब रहा है। विराट ने इस साल 16 पारियों में 26.64 की औसत से 373 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित ने 23 पारियों में 27.13 की औसत से 597 रन बनाए हैं। जडेजा ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में 28.73 की औसत से 431 रन बनाए हैं। विराट और रोहित का औसत सिर्फ कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर से बेहतर है। साल 2020 से टेस्ट में कम से कम 1000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में विराट कोहली का औसत दूसरे सबसे खराब है। लिस्ट में चेतेश्वर पुजारा 29.69 की औसत के साथ शीर्ष पर हैं। वहीं, विराट कोहली 32.15 की औसत के साथ दूसरे स्थान पर हैं। केएल राहुल का औसत 33.00 का रहा है।

ब्रिस्बेन के गाबा में पिच से गेंदबाजों को काफी मदद मिलेगी। वहां गेंदबाजों को उछाल भी मिलेगी। ऐसे में रोहित और विराट दोनों को बेहतर बल्लेबाजी करनी होगी, ताकि युवाओं को विश्वास हो। अगर ये दोनों अच्छा स्कोर करते हैं तो निश्चित तौर पर टीम इंडिया सीरीज में वापसी कर सकती है। हालांकि, रोहित किस पोजिशन पर खेलेंगे, यह भी टीम मैनेजमेंट को फैसला लेना होगा। एडिलेड में रोहित ने छठे स्थान पर बल्लेबाजी की थी और वह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में गाबा में रोहित वापस से यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग करते दिख सकते हैं। वहीं, विराट गाबा टेस्ट के लिए बैकफुट पर बल्लेबाजी करते दिख रहे हैं और अपने डिफेंस को मजबूत कर रहे हैं। वहीं, हर्षित राणा की जगह प्रसिद्ध कृष्णा या आकाश दीप में से किसी एक को भी प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है।

विराट कोहली का टेस्ट में खराब दौर

विराट कोहली का टेस्ट में खराब दौर जारी है। पर्थ में उन्होंने शतक जरूर लगाया था, लेकिन उससे पहले और उसके एडिलेड में विराट कुछ खास नहीं कर सके थे। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में छह पारियों में विराट ने महज 91 रन बनाए थे। वहीं एडिलेड में वह सात और 11 का स्कोर बना पाए। साल 2011 में विराट का टेस्ट करियर शुरू हुआ था और साल 2019 के अंत तक आते आते विराट टेस्ट में 55.10 की औसत से रन बना रहे थे। इसके बाद उनकी फॉर्म में गिरावट आई और 2024 में उनका मौजूदा औसत 47.72 का है। 2021 के बाद यह लगातार तीसरा साल है, जब उनका फॉर्म 50 से नीचे रहा है। 2022 में उनका बल्लेबाजी औसत 49.35 का और 2023 में 48.12 का रहा था।

गाजियाबाद पुलिस ने 2 मादक पदार्थ तस्कर पकड़े

आरोपी आपस में हैं ममेरे भाई-बहन, 19 किलो गांजा बरामद, आंध्र प्रदेश से जुड़े हुए हैं तार

आफरीन और प्रवीण अपने माता-पिता के साथ मिलकर पॉलिथीन के छोटे-छोटे पैकट में राह चलते लोगों को गांजा बेचा करते थे।

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद पुलिस ने मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले एक ऐसे गैंग का पदार्फाश किया है जिसको पूरा परिवार चलाता था। पुलिस ने इस मामले में एक युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया है। जो आपस में ममेरे भाई बहन हैं। इनके कब्जे से पुलिस ने 19 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ दिल्ली में भी मुकदमे दर्ज है। आरोपियों के तार आंध्र प्रदेश से भी जुड़े हैं। पुलिस उनके गैंग के बाकी सदस्यों की तलाश कर रही है। गाजियाबाद की थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने शाहिद और आफरीन को गिरफ्तार किया है। दोनों आपस में ममेरे भाई बहन हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से 19 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में शाहिद ने बताया कि आफरीन उसके मामा असगर की बेटी है। शाहिद के मामा असगर और उसकी मामी नौशाद बानो शाहिद से आर्डर पर आंध्र प्रदेश से गांजा मंगवाते थे। जिसके बदले में वह शाहिद को पैसे दिया करते थे। शाहिद ट्रक से आंध्र प्रदेश से गांजा लाया करता था। शाहिद ने बताया कि उसके मामा की बेटी आफरीन और प्रवीण अपने माता-पिता के साथ मिलकर पॉलिथीन के छोटे-छोटे पैकट में राह चलते लोगों को गांजा बेचा करते थे। शहीद पर दिल्ली में भी मुकदमे कायम हैं। पुलिस इनके गिरोह के बाकी लोगों को तलाश रही है।

वाहन चोरी करने वाले दो बदमाशों को दबोचा

पुदीना और सिनचौन ने कई प्रदेशों में मचा रखा था उत्पात

नोएडा, करंट क्राइम। नोएडा में थाना फेज-3 पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दोनों आरोपी अंतरराज्यीय दोपहिया वाहन चोर हैं। इनके पास से उनके पास से 14 मोटरसाइकिल और 7 फर्जी नंबर प्लेट बरामद की गई हैं। दोनों ने मिलकर उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और यूपी के अलग-अलग शहरों से बाइक चोरी की थीं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की है।

डंपिंग ग्राउंड से गिरफ्तार

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि थाना फेज -3 पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर सेक्टर-71 डंपिंग ग्राउंड से गिरफ्तार दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान मोहित उर्फ पुदीना और अजय सिंह उर्फ सिनचौन के रूप में हुई है। दोनों मिलकर पहले भीड़भाड़ वाले इलाकों में खड़ी बाइकों की रेकी करते थे। इसके बाद मास्टर चाबी और अन्य साधनों की मदद से बाइक का लॉक खोलते और फिर उसे चुराकर भाग जाते थे। बाइक चोरी करते ही उसकी नंबर प्लेट बदल देते थे। ताकि अगर बाइक सर्विलांस या सीसीटीवी कैमरे से गुजर रही हो तो उसकी पहचान न हो सके। इसके बाद सुनसान इलाकों, पार्किंग और अन्य जगहों पर इसे छिपा देते थे।

फर्जी नंबर प्लेट लगाकर थे घूमते

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि अगर कोई ग्राहक मिल जाता तो सस्ते दामों पर बाइक बेच देते। या फिर बाइक के पुर्जे अलग करवाकर बेच देते। इन दोनों के खिलाफ हरियाणा के पानीपत, दिल्ली, उत्तराखंड के हरिद्वार और यूपी के बागपत, नोएडा, गाजियाबाद में 22 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस इनसे पूछताछ कर इनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। ये लोग फर्जी नंबर प्लेट के सहारे बाइक को पूरे प्रदेश में पहुंचाते थे। या फिर ग्रामीण इलाकों से बाइक को एक जगह से दूसरी जगह ले जाते थे।

कश्मीरी युवा आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजित

आज की युवा पीढ़ी ही भविष्य के भारत को आकार देगी: डीएम इन्द्र विक्रम सिंह

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद द्वारा एनडीआरएफ शहीद ऑडिटोरियम में 4 वें कश्मीरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ डीएम गाजियाबाद इन्द्र विक्रम सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कश्मीरी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत कश्मीर के अलग अलग जिलों से 132 युवा चयनित होकर गाजियाबाद आए हैं जो छह दिनों तक देश की सांस्कृतिक विरासत को करीब से देखेंगे और विकसित भारत लक्ष्य प्राप्ति में योगदान का संकल्प दोहराएंगे। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

युवाओं ने अलग अलग प्रस्तुतियां दीं

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले युवाओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें बारामुला टीम, कुपवाड़ा टीम, अनंतनाग टीमें कालबोलिया राजस्थानी नृत्य टीम, ठाकुरद्वारा बालिका विद्यालय पटेल नगर की सांस्कृतिक टीम द्वारा प्रस्तुतियां देकर समां बांधा गया।

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों में डॉ.राजीव कुमार ने देशभक्ति और राष्ट्रनिर्माण, डॉ शिव पूजन पाठक ने कश्मीर घाटी की समस्याओं और युवाओं की भूमिका, शैलेन्द्र पाठक ने स्वच्छ भारत, एके पुरी ने भाषा ज्ञान, सुमित अंकुर सिंह ने नशा मुक्ति विषय पर युवाओं से सार्थक संवाद कर जागरूक किया। आयोजन में फरमूद अख्तर, चंदन कुमार, युवा स्वयंसेवकों में तालिब, प्रकाश तिवारी, सन्नी, माय भारत यूथ लीडर अमन कुमार व अन्य रहे।

देश की संस्कृति व विरासत को जोड़ना जरूरी

डीएम इन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी ही भविष्य के भारत को आकार देगी। जिसके लिए युवाओं को देश की संस्कृति और विरासत से जोड़ना बेहद आवश्यक है। वतन को जानों कार्यक्रम में जुड़े युवा निश्चित ही जागरूक बनेंगे और विकसित भारत निर्माण के संकल्प को आत्मसात कर देश के निर्माता के रूप में अपने दायित्व को पूरा करेंगे। यही समय है, सही समय है, अपने आसपास उपलब्ध अवसरों को पहचानकर सीमाओं को लांघते हुए सफलता पाए। विशिष्ट अतिथि आठवीं एनडीआरएफ बटालियन के सीओ पीके तिवारी ने कहा कि हमारे देश की सबसे बड़ी संपदा हमारे युवा हैं जिनको सही दिशा और मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। कश्मीरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम में जुड़े युवाओं को भारत की संस्कृति और विरासत को करीब से जानने का अवसर मिल रहा है।

न्यूज डायरी

भूखंड के पैसे लेकर भी नहीं कर रहे बैनामा

लोनी, करंट क्राइम। एक वृद्ध ने जमीन का सौदा 22.75 लाख में तय कर नौ लाख रुपए बतौर पेशगी दे दिए और बाकी पैसा भी किस्तो में चुका दिया। आरोप है कि विक्रेता अब उसे जमीन की रजिस्टरी नहीं कर रहा है। पीड़ित वृद्ध ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। लोनी सीमा से सटे दिल्ली के चौहान पट्टी इलाके के रहने वाले बीपी दूबे ने बताया कि उसने सन 2022 में लोनी के पचायरा गांव निवासी चंद्रपाल से 8750वर्ग गज जमीन का सौदा 22 लाख में रुपए में तय किया था। जिसकी एवज में उसने नौ लाख रुपए बतौर पेशगी दिए थे। आरोप है कि इसी दौरान चंद्रपाल का बेटा किसी अपराधिक केस में जेल गया। जिसके बाद चंद्रपाल के परिजनों ने मजबूरी बताकर किस्तों में सारे पैसे वसूल कर लिए, लेकिन उसके नाम रजिस्टरी नहीं की। बार-बार बेटे के जेल से छूटने के बाद रजिस्टरी का आश्वासन देते रहे, लेकिन बेटे के छूटने के बाद भी रजिस्टरी नहीं की। पीड़ित ने चंद्रपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है।

19 किलो गांजे के साथ युवक-युवती गिरफ्तार

लोनी, करंट क्राइम। पुलिस ने 19 किलो गांजे के साथ युवक और उसकी ममेरी बहन को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। यह गांजा आंध्रप्रदेश से तस्करी कर लाया गया था। जिसे पूरा परिवार नशेड़ियों को फुटकर में बेचकर मोटा मुनाफा कमाता था। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि सोमवार रात ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने गश्त के दौरान शाहिद तथा उसकी ममेरी बहन आफरीन को 19 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी विकास विहार गौरव मार्किट रामपार्क कॉलोनी के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपी शाहिद ने बताया कि उसका मामा असगर उससे आर्डर पर आंध्रप्रदेश से गांजा मंगवाता है। वह ट्रकों के माध्यम से आंध्रप्रदेश से गांजा लाकर मामा असगर तथा मामी नौशाद बानो को देता था। जिसके बदले वह उसे पैसे देते थे। मामा, मामी, ममेरी बहन आफरीन तथा परवीन आदि हम सभी लोग गांजे को छोटी-छोटी पॉलिथीन में पैक कर राह चलते नशेड़ियों को बेचकर मोटा मुनाफा कमाते थे।

किशोर के हमलावरों पर कार्रवाई

लोनी, करंट क्राइम। पूलिस ने किशोर पर कुल्हाड़ी से कातिलाना हमले के दो बाल अपराधियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की है। एसीपी सूर्यबली मोर्या ने बताया कि 25 नवंबर को दो किशोरों ने अपने हमउम्र किशोर को कुल्हाड़ी से वार कर घायल कर दिया था। जिस पर पीड़ित किशोर के पिता ने हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी थी। मंगलवार को दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर उचित कार्रवाई की गई है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय सेवा योजना एवं सांस्कृतिक समिति के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समस्त दीप प्रज्वलित करके की गई। एक दिवसीय शिविर के प्रथम सत्र में विभिन्न विद्यार्थियों के समूहों द्वारा मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए समानता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, महिला सुरक्षा का अधिकार इत्यादि को प्रदर्शित किया। नुक्कड़ नाटक के उपरांत सभी विद्यार्थियों ने अल्पाहार किया। शिविर के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिक विभाग के प्रोफेसर डॉ. अजय उपाध्याय ने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अखिलेश मिश्रा ने यूरोप एवं अमेरिका में दास प्रथा, अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों इत्यादि के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रीना शर्मा एवं प्रियंका गंगवार ने किया। कार्यक्रम में डॉ. उर्विजा शर्मा, डॉ. शिल्पी जिंदल, डॉ. जयकुमार सिरोहा, डॉ. नीलम गर्ग, सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. बिंदु कर्णवाल इत्यादि उपस्थित रहे।

लोहे की प्लेट लगने से युवक की मौत, निर्माणाधीन पानी टंकी पर कर रहा था काम, जांच में जुटी पुलिस

हापुड़ (करंट क्राइम)। हापुड़ के बहादुरगढ़ इलाके थाना में गांव बढ़ का नंगला में निर्माणधीन टंकी पर काम करते समय सिर में चोट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गांव बढ़ का नंगला में एक पानी की टंकी का निर्माण चल रहा है। इसी दौरान वहां कुछ मजदूर काम कर रहे थे। इसी बीच एक मजदूर का पैर फिसला तो लोहे की प्लेट जमीन पर काम कर रहे एक अन्य मजदूर छविराम निवासी जिला शाहजहांपुर के सिर में आकर लग गई।

लहूलुहान होकर जमीन पर गिरा

इसके बाद छविराम लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गया। जिसे आनन-फानन में हापुड़ के एक निजी अस्पताल में लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलने ही परिजनों में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी अरविंद चौधरी ने बताया कि सिर में चोट लगने से मौत हो गई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर आने पर मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

10 दिन में तैयार करे अवैध पार्किंग रिपोर्ट, सीईओ ने सेक्टर-62 से एनएच-9 के पाइंट का किया निरीक्षण

नोएडा। नोएडा सेक्टर-62 से एनएच-9 को जोड़ने वाला जंकशन में सौंदर्यीकरण के अलावा सड़क चौड़ी करण और एफओबी का निर्माण किया जाएगा। ये निर्देश नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने निरीक्षण के दौरान दिए। उनके साथ ट्रैफिक सेल व जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जिसमें ओएसडी महेंद्र प्रसाद, जीएम एसपी सिंह, परियोजना अभियंता गौरव बंसल और आरके शर्मा मौजूद रहे। इस मौके पर शहर में अवैध पार्किंग का सर्वे कर 10 दिन में रिपोर्ट देने के लिए कहा गया।

एनएच-9 के साथ सेक्टर-63 के रास्ते का किया जाए चौड़ा

सीईओ ने कहा कि इस जंकशन में सड़क के चौड़ी करण में आ रहे टॉयलेट को तोड़कर तत्काल हटाया जाए। एनएच-9 से सेक्टर-62 व 63 के बीच प्रवेश मार्ग का सड़क चौड़ी करण कर पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ का निर्माण करने के निर्देश दिए। एनएच-9 से नोएडा में प्रवेश करने वाले वाहनों की खाली जगह में लेवलिंग कर लेफ्ट टर्न का एलाइनमेंट तैयार करने के लिए कहा गया। मैट्रो रेल के पास खाली भूमि में पार्किंग के निर्माण के साथ-साथ क्योस्क का भी निर्माण कराया जाए। एनएच-9 के साथ सेक्टर-63 के मार्ग का छिजारसी तक चौडा किया जाए।

एफओबी का किया जाए निर्माण

छिजारसी टी जंकशन के पास कुछ हिस्से में पार्किंग निर्माण करने व प्रॉपर टर्निंग रेडियस करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-62, 63 एवं एनएच-9 जंकशन के पास खाली भूमि का उपयोग करते हुए सड़क चौड़ी करण किया जाए। सेक्टर-62, 63 एवं एनएच-9 पर अत्यधिक फुटफॉल को देखते हुए एफओबी एवं आस-पास के क्षेत्र का विस्तृत सर्वे करते हुए नियोजन, प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। ताकि उक्त जंकशन पर ट्रैफिक जाम की समस्या का निवारण हो सके।

ग्रीन बेल्ट के अतिक्रमण को हटाया जाए

एनएच-9 से छिजारसी प्रवेश मार्ग जंकशन के आस-पास के क्षेत्र का विस्तृत सर्वे कर नियोजन प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। ताकि उक्त जंकशन पर ट्रैफिक जाम की समस्या का निवारण किया जा सके। सेक्टर-62 में एनएच-9 के साथ-साथ स्थित ग्रीन बैल्ट में हो रहे अतिक्रमण झुग्गी-झोपड़ी आदि को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। एनएच-9 के समानान्तर ग्रीन बैल्ट को विकसित करने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-62 व 63 के फुटपाथ की प्रॉपर साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए गए।

यादगार बन गई कमिश्नरेट की यह विदाई

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद में मंगलवार को पुलिस लाइन में कमिश्नरेट के नंबर दो के अधिकारी की विदाई वाला दिन रहा। कमिश्नरेट के लिए यह विदाई यादगार बन गई। वहीं कमिश्नरेट के उन थाना प्रभारियों के लिए यह पहला मौका था, जब वह गस्टेड अधिकारियों के साथ लाइन वाले किसी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस विदाई समारोह में पहली बार कमिश्नरेट के तमाम अधिकारी और थाना प्रभारी एक साथ देखे गए। वह बात अलग है कि कमिश्नरेट सिस्टम में एक अधिकारी इसमें भी एब्सेंट या तो उन्हें बुलाया नहीं गया या वह निजी कारणों से आउट रहीं। इसकी चर्चा विदाई वाले हॉल से लेकर बाहर तक हुई है। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्रों ने जानकारी दी है कि कमिश्नरेट के सभी सर्किल से एक-एक थाना प्रभारी ने विदाई वाली बेला पिलर ऑफ कमिश्नरेट के लिए दो शब्द कहें थे। तो गस्टेड अधिकारियों ने भी फोटो सेशन और विदाई वाला थैंक्स दिया। बताया जा रहा है कि जोन वाले डीसीपी साहब लोग जिस थाना प्रभारी का नाम बोलते थे, वह नंबर दो वाले साहब की तारीफ में मुंह खोल देते थे। कमिश्नरेट से अच्छे अधिकारी की विदाई का नजारा भी ऐसा था कि उनकी गाड़ी में आईपीएस से लेकर पीपीएस और अन्य अधिकारी धक्का लगने वाले सीन में नजर आ रहे हैं। कार्यक्रम में मालाओं की संख्या विदाई होने वाले आईपीएस अधिकारी की टीआरपी बयां कर रही थी। वहीं सूत्र बताते हैं कि उनके साथ ड्यूटी देने वाले सबसे निचले कर्मचारी से लेकर उनके साथ ड्यूटी पर मौजूद रहने वालों का दिल भरा हुआ था, तो आंखों में दर्द भी झलक रहा था। वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि प्रभारी और अधिकारियों को गैंगस्टर वाली मीटिंग के नाम पर आमंत्रित किया गया था और जब सीन विदाई वाला आया तो माहौल बदल सा गया था। सुनने में आया है कि उनको विदाई देने वालों में कई प्रमुख भरोसेमंद पुलिसकर्मी भी थे, तो वहीं पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि मीटिंग में कमिश्नरेट सिस्टम के उस थ्री-स्टार को भी कई आंखें खोज रही थी, जो क्राइम पर बेहद काम करते हैं और उनके खुलासों की चर्चा चारों ओर रहती है। इन सबके बीच पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में एक चर्चा शुरू हो गई है कि कमिश्नरेट से जिस आईपीएस अधिकारी की विदाई हुई है, उनकी जैसी पुलिसिंग और मैनेजमेंट से लेकर टेंपरामेंट वाला अधिकारी अब इस कमिश्नरेट में कौन आएगा, यह भी सबसे बड़ा सवाल बना हुआ है।

50 लाख का नकली प्रोटीन पाउडर बरामद, तीन गिरफ्तार

नोएडा (करंट क्राइम)। नोएडा में एक व्यक्ति ने सेक्टर-63 के जी ब्लाक जी-86 कंपनी से फूड सप्लिमेंट (प्रोटीन पाउडर) ऑर्डर किया। उसे खाने के बाद पेट लिवर में परेशानी होने लगी। चेहरे पर कील मुंहासा निकल आए। पीड़ित को लगा कि उसने जिस फूड सप्लिमेंट का सेवन किया वो नकली था। पीड़ित ने थाना सेक्टर-63 पुलिस से मामले की शिकायत की। पुलिस ने टीम गठित की और कंपनी पर छापा मारा। फूड डिपार्टमेंट में यहां बन रहे मॉल को चेक किया जो नकली निकला। पुलिस ने मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 50 लाख कीमत का नकली फूड मटेरियल, कैप्सूल के डिब्बे, प्रोटीन के डिब्बे बरामद किए। आरोपियों की पहचान साहिल यादव, हर्ष अग्रवाल और अमित चौबे हुई है। तीनों गाजियाबाद के रहने वाले है। इसमें साहिल और हर्ष कंपनी के मालिक और अमित कंपनी में मैनेजर है। पूछताछ में बताया कि ये लोग हरियाणा से मॉल लेकर आते थे। फूड सप्लिमेंट तैयार होने के बाद इसे ऑनलाइन बेचते थे। पुलिस इनके बाकी लिंक की तलाश कर रही है।

पुलिस की संयुक्त टीम ने मारा छापा

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया शिकायत मिलते ही पुलिस की टीम सेक्टर-63 के जी-86 पहुंची। यहां जांच की गई तो देखा कि बेसमैंट में 3 लोग खाली डिब्बों में कुछ भर रहे थे। बेसमैंट में काफी मात्रा में फूड सप्लिमेंट के भरे डिब्बे जिनमें रॉरेज कंपनी और द एथलीट कम्पलीट न्यूट्रिशन प्रोटीन के डिब्बे एवं रैपर, पैकिंग मशीन, प्रिंटिंग मशीन आदि अन्य सामान रखा हुआ था। खाली डिब्बे भर रहे तीनों व्यक्तियों से फूड डिपार्टमेंट की ओर से लाइसेंस या विनिर्माण लाइसेंस इस कार्य के संबंधित कागज मांगे। तीनों को कोई जवाब नहीं दे सके।

सैंपल जांच नमूने फेल

टीम सैंपल लिया और जांच की। पता चला कि डिब्बे में मात्रा लिखी गई थी। ऐसे भर रहे पाउडर में कुछ नहीं था। ये पूरी तरह से नकली था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। सख्ती से पूछताछ में बताया कि ये फर्जी फूड सप्लिमेंट बहुत कम खर्चे में तैयार करते और ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए 5 गुना दाम पर बेच देते थे।

1 दिसंबर को खोली कंपनी

गिरफ्तार साहिल यादव साल 2017-2018 में हरियाणा में फूड सप्लिमेंट बनाने वाली कंपनी एडवांस न्यूट्रा टेक में काम कर चुका है। वहां से काम सीखने के बाद साहिल ने खुद की रॉरेज के नाम से जी-86 में 1 दिसंबर 2024 को कंपनी बनाई। इसमें हर्ष को अपना पार्टनर बनाया और अमित को कंपनी में मैनेजर। तीनों फर्जी फूड सप्लिमेंट का डिब्बा तैयार कर अपनी कंपनी का रैपर लगाकर उसे ऑनलाइन प्लेटफार्म पर बेचते थे। ऑर्डर आने के बाद 3500 रुपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से कोरियर के जरिए ये फूड सप्लिमेंट सप्लाई करते थे।

तीन राज्यों में थी सप्लाई

डीसीपी ने बताया कि ये लोग जगह जगह से खराब व सस्ता मॉल खरीदते थे। उनको अपनी कंपनी प्रोसेस कर पाउडर के रूप में करके उसे डिब्बों में भरते थे। फिर उस माल से कम कीमत में फर्जी फूड सप्लिमेंट का डिब्बा तैयार कर। अपनी कंपनी का रैपर लगाते थे। उसे असली बताकर प्रति डिब्बे पर 4 से 5 गुना तक कीमत लेकर तैयार माल की सप्लाई नोएडा, दिल्ली, हरियाणा एवं जगह-जगह करते थे।

पिता ने बेटे को पिलाई शराब, पत्नी के विरोध करने पर मारपीट कर घर से निकाला

हापुड़ (करंट क्राइम)। हापुड़ के सिटी कोतवाली इलाके में मोहल्ला चमरी में एक मासूम बच्चे को उसका ही पिता द्वारा शराब पिलाने का मामला सामने आया है। इसका विरोध जब बच्चे की मां ने किया। तो पिता ने मां को मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। पति की मार-पिटाई से डरी सहमी मां ने इसकी शिकायत कोतवाली पुलिस से की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बेटे को उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी। जानकारी के अनुसार मोहल्ला चमरी में रहने वाली एक महिला ने कोतवाली पुलिस को शिकायत दी। बताया कि उसका पति रिक्शा चलाता है। सोमवार की शाम को घर पर आया और वह शराब पीने लगा। इसी दौरान उसके पति ने उसके तीन वर्षीय बेटे को भी शराब पिलाने की कोशिश की। इसका विरोध जब उसने किया, तो उसने पीड़िता के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। साथ ही मारपीट करते हुए उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद महिला अपने मायके पहुंची। पीड़िता कोतवाली पहुंचकर इसकी शिकायत पुलिस से की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने उसके बेटे को मां के सुपुर्द कर दिया। कोतवाली प्रभारी मुनीष प्रताप सिंह ने बताया कि मामूली कहासुनी के बीच पति-पत्नी में विवाद हुआ था। पीड़िता की शिकायत की जांच पड़ताल की जा रही है।

'हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे बांग्लादेश'

बांग्लादेश दौरे पर भारत के विदेश सचिव ने की मोहम्मद यूनुस से मुलाकात

ढाका। बांग्लादेश दौरे पर भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और विदेश मामलों के सलाहकार मो. तौहीद हुसैन से मुलाकात की। दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बताया, मिस्री ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील व समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन का रुख स्पष्ट किया। मिस्री ने स्पष्ट किया, भारत आपसी विश्वास व सम्मान के रिश्ते चाहता है। दोनों देशों को एक-दूसरे की चिंताओं व हितों को लेकर संवेदनशील होना चाहिए।इसी आधार पर रिश्ते सकारात्मक व रचनात्मक हो सकते हैं।

भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक रिश्ते चाहता है : इससे पहले मिस्री ने बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन से मुलाकात में अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक, धार्मिक स्थलों और उनकी संपत्तियों पर हमलों की घटनाओं को उठाया। भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अन्य अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने स्पष्ट किया कि भारत, बांग्लादेश के साथ सकारात्मक, रचनात्मक और दोनों देशों को लाभ पहुंचाने वाले रिश्ते चाहता है।

रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान की सराहना : गौरतलब है कि मिस्री पांच अगस्त को प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार पलटने वाले आंदोलन के बाद बांग्लादेश की यात्रा पर जाने वाले पहले आला अधिकारी हैं। मिस्री ने जशीमुद्दीन से मुलाकात के बाद कहा, चर्चा ने दोनों देशों के संबंधों का फिर से जायजा लेने का मौका दिया। सभी वार्ताकारों के साथ स्पष्ट, सौहार्दपूर्ण व रचनात्मक विचारों के आदान-प्रदान की सराहना करता हूं।

बांग्लादेशी अधिकारियों से सभी मुद्दों पर समग्र दृष्टिकोण की उम्मीद : विदेश सचिव ने कहा, हमने कुछ हालिया घटनाक्रमों और सांस्कृतिक, धार्मिक व राजनयिक संपत्तियों पर हमलों की खेदजनक घटनाओं पर चर्चा की। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व कल्याण जैसे मुद्दों पर भारत की चिंताओं से अवगत कराया। भारत को बांग्लादेश के अधिकारियों से सभी मुद्दों पर समग्र दृष्टिकोण की उम्मीद है। वह रिश्ते को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। मिस्री ने कहा, भारत, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए इच्छुक है। मिस्री ने जोर दिया, हमारे संबंधों में दोनों देशों की जनता मुख्य हितधारक है। बांग्लादेश के विकास में भारत के बहुमुखी सहयोग से स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। यह अतीत में देखा है, भविष्य में भी हम इस रिश्ते को जनकेंद्रित रिश्ते के रूप में देखना जारी रखेंगे।

जब प्रचंड विरोध के कारण शेख हसीना को छोड़ना पड़ा बांग्लादेश : गौरतलब है कि बीते अगस्त में बड़े पैमाने पर सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। हसीना के भारत में शरण लेने के कुछ दिनों बाद ही यूनुस ने अंतरिम सरकार की बागडोर संभाल ली थी। पड़ोसी देश में हुए घटनाक्रम के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया।

हिंदुओं पर हमलों और चिन्मय दास की गिरफ्तारी से तनाव

हालिया हफ्तों में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद दोनों देशों के संबंध और भी तनावपूर्ण हो गए। त्रिपुरा के अगरतला में बांग्लादेश उप उच्चायोग में प्रदर्शनकारियों के जबरन घुसने के मामले पर भी दोनों देशों के संबंधों पर असर पड़ा। पिछले कुछ हफ्तों में पड़ोसी देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के साथ-साथ मंदिरों पर हमलों की घटनाएं हुई हैं, जिसे लेकर नयी दिल्ली द्वारा गहरी चिंता जताई गई है।

आतंकियों को क्षमादान दे रही है सरकार: हसीना

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने एक बार फिर से अपने देश की अंतरिम सरकार पर तीखा हमला बोला। शेख हसीना ने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर आतंकवादियों और कट्टरपंथियों को बिना रोक-टोक के काम करने की अनुमति देने वाला 'फासीवादी प्रशासन' चलाने का आरोप लगाया। शेख हसीना ने रविवार को लंदन में ह्यअवामी लीगह्ल के समर्थकों की एक सभा को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा कि, जुलाई-अगस्त में हुई उस उथल-पुथल का मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद यूनुस हैं। जिसने उनकी सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया। उन्होंने बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न के लिए यूनुस और उनकी अंतरिम सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, मोहम्मद यूनुस और उनके सहयोगी जुलाई-अगस्त में देश में हुई अशांति के मुख्य साजिशकर्ता हैं। छात्रों एवं पुलिसकर्मियों की हत्या, आगजनी और अत्याचारों के पीछे उनका हाथ है। हमारे देश को नुकसान पहुंचाने वाले हत्यारों और षड्यंत्रकारियों को बांग्लादेशी कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाएगा। जिस तरह हमने युद्ध अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की थी, आज के अपराधियों के खिलाफ भी उसी तरह न्याय होगा।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर अमेरिका में रोष

व्हाइट हाउस से यूएस कैपिटल तक निकाला गया मार्च

वाशिंगटन। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों को लेकर बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकियों ने व्हाइट हाउस से यूएस कैपिटल तक मार्च निकाला। शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हमें न्याय चाहिए और हिंदुओं की रक्षा हो जैसे नारे लगाते हुए बाइडन प्रशासन और आगामी ट्रंप प्रशासन से बांग्लादेश की सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए कदम उठाने को कहने का अनुरोध किया। साथ ही यह भी मांग की कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

इन संगठनों ने निकाला मार्च

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले के विरोध में सोमवार को मार्च निकाला गया। कार्यक्रम के आयोजकों स्टॉपहिंदूजेनोसाइड.ओआरजी, बांग्लादेशी प्रवासी संगठनों और हिंदूएक्शन ने मांग की कि अमेरिकी कंपनियां बांग्लादेश से कपड़े खरीदना बंद कर दें। बता दें, ढाका अमेरिका को कपड़े निर्यात करने पर बहुत अधिक निर्भर है।

इन जगहों पर हिंदुओं को बनाया जा रहा निशाना : हिंदूएक्शन के उत्सव चक्रवर्ती ने कहा, 'यह मार्च न्याय की मांग मात्र नहीं है, यह जवाबदेही की मांग है। आज, बांग्लादेशी हिंदू समुदाय और भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिंदू प्रवासी बांग्लादेशी हिंदू समुदाय के समर्थन में आ गए हैं क्योंकि बांग्लादेश में हिंसा जारी है। खासतौर से चटगांव और रंगपुर क्षेत्र में।'

मंदिरों को जलाया जा रहा

उन्होंने आगे कहा कि हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उनके मंदिरों को जलाया और नष्ट किया जा रहा है। उनके घरों को लूटा जा रहा है। चिन्मय दास, जो चटगांव क्षेत्र के हिंदू नेताओं में से एक हैं, को जेल में डाल दिया गया है और उन्हें यातनाएं दी जा रही हैं। दुनिया भर में समुदाय इस बारे में बेहद चिंतित है। इसलिए, लोग यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि व्हाइट हाउस और अमेरिका में लोग बांग्लादेश में क्या हो रहा है, इसके बारे में जानते हों।

बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ अकल्पनीय त्रासदियां

वर्जीनिया के नरसिम्हा कोप्पुला ने कहा, 'हम बांग्लादेशी हिंदुओं के लिए न्याय की मांग करने के लिए यहां व्हाइट हाउस के सामने एकत्र हुए हैं।' वहीं, हिंदूएक्शन के श्रीकांत अकुनुरी ने कहा कि बांग्लादेशी हिंदुओं के साथ अकल्पनीय त्रासदियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हम इस्कॉन नेता चिन्मय दास को भी रिहा करने की मांग कर रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की टीम में एक और भारतीय

हरमीत ढिल्लों को नियुक्त किया सहायक अटॉर्नी जनरल

वाशिंगटन। पांच नवंबर को हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप को भारी जीत मिली। इसी के साथ वह अमेरिका के नए राष्ट्रपति चुने गए। अब ट्रंप अगले साल 20 जनवरी को शपथ लेंगे। मगर, इससे पहले वह अपनी टीम का गठन करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने टीम में कई नए चेहरों को मौका दिया है। इसमें चंडीगढ़ से नाता रखने वालीं भारतीय मूल की हरमीत के. ढिल्लों का नाम भी शामिल हैं। उन्हें न्याय विभाग में नागरिक अधिकार मामलों की सहायक अटॉर्नी जनरल के तौर पर चुना है।

नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने किया एलान : ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मुझे अमेरिकी न्याय विभाग में नागरिक अधिकारों के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल के रूप में हरमीत के. ढिल्लों को चुनते हुए खुशी हो रही है।'

'नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए हमेशा उठाई आवाज' : उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर के दौरान हरमीत ने हमारी बहुमूल्य नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाई है, जिसमें हमारी मुक्त अभिव्यक्ति को सेंसर करने के लिए बड़ी तकनीक का सामना करना, उन ईसाइयों का प्रतिनिधित्व करना जिन्हें कोविड के दौरान एक साथ प्रार्थना करने से रोका गया था और उन निगमों पर मुकदमा करना जो अपने श्रमिकों के खिलाफ भेदभाव करने के लिए जागरूकता नीतियों का इस्तेमाल करते हैं।'

चंडीगढ़ से है नाता

ढिल्लों ने इस साल जुलाई में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में अरदास का पाठ किया था, जिसके बाद उन पर नस्लीय हमले हुए थे। पिछले साल वह रिपब्लिकन नेशनल कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए असफल रहीं। चंडीगढ़ में जन्मी 54 वर्षीय ढिल्लों बचपन में माता-पिता के साथ अमेरिका चली गई थीं। 2016 में, वह क्लीवलैंड में जीओपी कन्वेंशन के मंच पर दिखाई देने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी थीं।

कौन हैं ढिल्लों?

उन्होंने यह भी बताया कि ढिल्लों देश के शीर्ष चुनाव वकीलों में से एक है, जो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ रही हैं कि सभी, और केवल, कानूनी वोटों की गिनती हो। वह डार्टमाउथ कॉलेज और यूनिवर्सिटी ऑफ वर्जीनिया लॉ स्कूल से स्नातक हैं और यूएस फोर्थ सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में क्लर्क हैं। हरमीत सिख धार्मिक समुदाय की एक सम्मानित सदस्य हैं। न्याय विभाग में अपनी नई भूमिका में, हरमीत हमारे संवैधानिक अधिकारों का एक अथक रक्षक होंगी और हमारे नागरिक अधिकारों तथा चुनाव कानूनों को निष्पक्ष व दृढ़ता से लागू करेंगी।

बशर की कालकोठरियों से मुक्त कराए कैदी

फांसी की सजा पाए कैदियों ने कई साल बाद देखा सूरज

सीरिया। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने और देश पर विद्रोहियों का कब्जा होने के बाद राजधानी दमिश्क की सड़कों पर जबरदस्त जश्न मनाया गया। विद्रोहियों ने असद के शासन में कैद किए गए कई कैदियों को भी सोमवार तड़के कालकोठरियों से मुक्त कराया। असद परिवार के करीब 50 वर्षीय शासन को सिर्फ 10 दिनों में विद्रोहियों ने हमला बोलकर खत्म कर दिया और अब राजनीतिक कैदियों को आजाद कराने के लिए जेलों व सुरक्षा सुविधाओं में तोड़फोड़ की।

सीरिया में नए युग की शुरुआत

एक ऐसे ही कैदी हैं 63 वर्षीय बशर बरहौम। उन्हें फांसी की सजा दी गई थी और सोमवार को इस पर तामीली होना थी। जब उन्होंने देखा कि दरवाजे पर कुछ लोगों की चहलकदमी हो रही है तो वे समझे कि यह फांसी चढ़ाने के लिए आए हैं। लेकिन सामने देख तो ये लोग असद के कुख्यात सुरक्षा बलों से नहीं थे बल्कि उन्हें मुक्त करा रहे थे। बरहौम ने भी कैद से रिहा होकर जश्न मनाया और कहा, मैंने आज तक सूरज नहीं देखा है, सोमवार को सजा-ए-मौत के बजाय मुझे नया जीवन मिला है। जेल से रिहा हुए कई लोग नंगे पैर या बमुश्किल कपड़े पहने दमिश्क की सड़कों पर अपनी आजादी का जश्न मनाते देखे गए। विद्रोहियों ने जेलों में जाकर बंदियों से कहा, डरो मत...असद का राज खत्म हो चुका है। सड़कों पर आकर कैदी खुशी से चीख रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि अब जल्द ही वे अपने परिवार से मिल सकेंगे।

सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि दमिश्क, अलेप्पो, होम्स और हामा सहित शहरों में हजारों बंदियों को रिहा कर दिया गया है। असद की इन जेलों में सबसे कुख्यात जेलों में से एक दमिश्क के पास ह्यसैयदनायाजेलह्ल है जिसे एमनेस्टी इंटरनेशनल ने ह्यमानव वधशालाह्ल तक कहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि 2011 और 2016 के बीच 13,000 लोगों को यहां गुप्त रूप से मार डाला गया। सैयदनाया में रखी गई महिलाएं, जिनमें से कुछ बच्चों के साथ थीं, असद का तख्तापलट होने की सूचना मिलते ही चिल्लाने लगीं। विद्रोहियों ने उनके सेल के ताले तोड़ दिए।

विद्रोहियों द्वारा राजधानी दमिश्क पर कब्जा करने और राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने के बाद सोमवार को सीरियाई लोगों में आशा की किरण जगी दिखाई दी। हालांकि उनमें अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता भी दिखाई दी। विद्रोहियों द्वारा घोषित कर्फ्यू के कारण दमिश्क में सुबह के बाद शांति रही, दुकानें बंद रहीं और सड़कें काफी हद तक खाली दिखीं। बाहर निकलने वालों में से अधिकांश विद्रोही थे, और कई कारों पर उत्तर-पश्चिमी प्रांत इदलिब की लाइसेंस प्लेटें थीं।

सीरिया में झटके के बाद अब यूक्रेन पर समझौते के लिए तैयार रूस, शांति की पहल का करेगा स्वागत

मास्को। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से यूक्रेन में युद्ध को तुरंत रोकने की मांग को रूस ने गंभीरता से लिया है। क्रेमलिन ने कहा है कि रूस इस पर बातचीत के लिए तैयार है। रूस ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) और ब्रिक्स देशों की तरफ से शांति पहलों का भी स्वागत किया है।

गौरतलब है कि रूस को हाल ही में सीरिया में बड़ा झटका लगा है। यहां विद्रोही संगठनों ने रूस के समर्थन वाली बशर अल-असद सरकार को हटा दिया। खुद राष्ट्रपति असद को आनन-फानन में सीरिया छोड़कर भागना पड़ा। सीरिया में इन हालात के बाद माना जा रहा है कि यूक्रेन युद्ध में पूरी तरह केंद्रित होने की वजह से रूस अपनी ताकत सीरिया में नहीं दिखा पाया और उसे पश्चिम एशिया में कूटनीतिक तौर पर एक अहम देश गंवाना पड़ा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को एक पोस्ट में रूस के विदेश मंत्रालय ने क्रेमलिन (रूस का आधिकारिक कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के कथन का जिक्र किया। इसमें कहा गया, हमने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ मुलाकात के बाद दिया बयान ध्यान से पढ़ा है। रूस, यूक्रेन पर बातचीत के लिए खुला है और शांति पहलों का स्वागत करता है। यूक्रेन में हमलों को रोकने के लिए शर्तों को राष्ट्रपति पुतिन पहले ही बता चुके हैं।

क्रेमलिन के बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति पुतिन लगातार कहते रहे हैं कि वह यूक्रेन पर बातचीत के लिए तैयार हैं और वह इसके लिए शांति पहल का भी स्वागत करते हैं। खासकर वह पहल, जो कि वैश्विक दक्षिण और ब्रिक्स साझेदार देशों- चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका की तरफ से लाई गई हैं। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात, कतर और सऊदी अरब जो कि मानवतावादी कार्यों में जुड़े रहे हैं।

पेस्कोव ने यूक्रेन की तरफ से इस तरह की बातचीत को नकारने का मुद्दा भी उठाया और जेलेंस्की पर शासनादेश के जरिए मॉस्को से बातचीत रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, यूक्रेन पर हमारी स्थिति से सभी वाकिफ हैं। यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए शर्तों का रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने जून में ही खुलासा कर दिया था।

क्रेमलिन ने कहा कि यूक्रेन अब भी अपनी नीति में बदलाव नहीं कर रहा।

मैक्रों-जेलेंस्की से मुलाकात के बाद क्या बोले थे डोनाल्ड ट्रंप?

डोनाल्ड ट्रंप ने 7 दिसंबर को ही यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से पेरिस में मुलाकात की थी। यह नेता फ्रांस में नोट्रे डेम कैथेड्रल के उद्घाटन समारोह के दौरान मिले थे। इस बैठक के बाद ट्रंप ने कहा था, रयूक्रेन में तुरंत युद्धबंदी लागू होनी चाहिए और बातचीत शुरू होनी चाहिए। बेवजह ही कई जानें जा रही हैं, कई परिवार तबाह हुए हैं।र बता दें कि रूस और यूक्रेन की जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई थी। इस युद्ध में अब तक दोनों देशों के हजारों सैनिकों की जान जा चुकी है।

बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं पीओजेके के नागरिक

विरोध के बाद पीओजेके सरकार ने वापस लिया विवादास्पद अध्यादेश

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में जनता के भारी विरोध और बंद के बाद सरकार ने विवादास्पद अध्यादेश वापस ले लिया। अध्यादेश के जरिये सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों से पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था।

प्रेसिडेंट बैरिस्टर सुल्तान महमूद ने अध्यादेश वापस लेने की घोषणा की। इसे लेकर एक लिखित समझौता भी हुआ है। इसके तहत प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी मामले वापस लिए जाएंगे और 13 मई की गोलीबारी की घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा। सरकार के फैसले के बाद एक प्रदर्शनकारी ने कहा, जनता के विरोध ने सरकार व नौकरशाहों को करारा जवाब दिया है। उसने साबित किया है कि पीओजेके का अपना कानून और प्रणाली है। पीओजेके के प्रधानमंत्री अनवर उल हक ने कहा कि अध्यादेश में प्रदर्शनों से पहले सरकार की अनुमति लेने का प्रावधान सुरक्षा चिंताओं को लेकर किया गया था।

मालूम हो कि पाकिस्तान सरकार लंबे समय से पीओजेके के लोगों का दमन कर रही है। यहां उनके अधिकारों, बुनियादी जरूरतों और आकांक्षाओं को लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। इस क्षेत्र के लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों, सामाजिक असहमति को लेकर चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में सरकार या सत्तारूढ़ अधिकारियों की आलोचना करने वाले व्यक्तियों, मीडिया प्रतिष्ठानों और राजनीतिक कार्यकताओं को उत्पीड़न, धमकी और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

अतुल गर्ग ने व्यापारियों संग देखी 'द साबरमती रिपोर्ट'

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ओपुलेंट मॉल में नगर के विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारी, व्यापारियों व पत्रकारों ने 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म देखी। गाजियाबाद सांसद अतुल गर्ग ने एक स्क्रीन की सभी सीट आरक्षित कर सभी को फिल्म देखने के लिया आमंत्रित किया। फिल्म में साबरमती रेल घटना के सच को कुशलता से दिखाया गया है। फिल्म देखते समय सभी की आंखें नम हो गयीं। अतुल गर्ग ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण फिल्म है हम सभी को परिवार के साथ इस फिल्म को देखना चाहिए। आप देख सकते हैं कि कैसे तथ्यों को छिपाया गया था। कैसे तत्कालीन केंद्र सरकार ने चिताओं पर रणनीति की रोटियां सेंकी।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि राजेन्द्र मित्तल मेंदी वाले, व्यापार मंडल महानगर अध्यक्ष गोपीचंद, महामंत्री अशोक चावला, संजीव मित्तल, अनुज मित्तल, संजीव गुप्ता समरकूल, पार्षद राजकुमार नागर, पार्षद नीरज गोयल, साचीन सोनी, विपिन गोयल, विपिन गर्ग साबुन वाले, सुधीर गोयल मोनू, राकेश बवेजा, अनुराग गर्ग, प्रदीप गर्ग, संजय गर्ग, हितेंद्र शर्मा, विकास मित्तल, दुष्यंत गुप्ता, चेतन शर्मा, हरीश शर्मा, डॉक्टर रघुराज चौधरी, विकास जयसवाल, जितेंद्र गर्ग, बल्लू, बंटी गोयल, मनीष दीक्षित, बबलू ठाकुर, पवन शर्मा, वसीम अली, मनोज गर्ग आदि ने फिल्म देखी।

हरनंदीपुरम की डीपीआर के लिए तीन कंपनियां आगे आईं, किया प्रजेंटेशन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) की नई टाउनशिप में बड़ी-बड़ी कंपनियां रूचि ले रही हैं। मंगलवार को रियल एस्टेट से जुड़ीं तीन बड़ी कंपनियों ने डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) के लिए प्रजेंटेशन किया। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अध्यक्षता में हुए इस प्रजेंटेशन के दौरान जीडीए अधिकारियों ने कंपनियों के प्रतिनिधियों से सवाल अपनी जिज्ञासा भी शांत की। जीडीए वीसी ने बताया कि प्रजेंटेशन में 70 परसेंट अंक प्राप्त करने वाली कंपनी क्वालिफाई करेगी। उसके बाद क्वालिफाई करने वाली कंपनियों की फाइनेंसियल बिड खोली जाएंगी। फाइनेंसियल बिड के आधार पर जीडीए द्वारा एक कंपनी का चयन किया जाएगा।

हरनंदीपुरम योजना की डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के लिए तीन कंपनियों, मैसर्स ट्रेकटेबेल इंजीनियरिंग, मैसर्स एंजिल कन्सलटेंसी सर्विसेज एवं मैसर्स डीडीएफ कन्सलटेंट प्रा. लि. की ओर से उनकी प्लानिंग का प्रजेंटेशन किया गया। प्रजेंटेशन में तीनों कंपनियों ने इस प्रोजेक्ट के डीपीआर के लिए अपनी-अपनी योजना प्रस्तुत की और उसकी खूबियां भी बताईं। प्रस्तुतीकरण में मुख्यतः रेजीडेंसियल एरिया, कॉमर्शियल एरिया और इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण प्लान को समायोजित किया गया। इसके अतिरिक्त पानी की निकासी एवं प्रदूषण से निपटने के लिए इंतजाम का भी विस्तृत विवरण दिया गया। रोड कनेक्टीविटी के बारे में भी कपंनियों द्वारा अपनी प्लानिंग का प्रस्तुतीकरण किया गया।

521 हेक्टेयर की होगी हरनंदीपुरम योजना

राजनगर एक्सटेंशन और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के बीच 521 हेक्टेयर में जीडीए की नई टाउनशिप लाने की तैयारी है। नई टाउनशिप के लिए जमीन खरीदने हेतु शासन से 50 प्रतिशत वित्तीय सहायता मिलेगी। योजना के लिए ड्रोन सर्वे कराकर चिह्नित की गई भूमि का सर्वे कराया जा चुका है। जीडीए ने टाउनशिप की डीपीआर तैयार करने के लिए निजी कंपनी से एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) कॉल किया था। उसी के तहत मंगलवार को तीन कंपनियां प्रजेंटेशन करने पहुंचीं। जीडीए वीसी अतुल वत्स ने बताया कि डीपीआर तैयार करने के लिए क्वालिफाई करने वाली कंपनी को तीन माह का समय दिया जाएगा।

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं अपने मन की बात शेयर कर रहा हूं आपके साथ? मैं चाहता हूं हैंडपम्प वाले टीटू जी को विशेष रूप से आमंत्रित करके भगवा सदस्यता दिलाई जाये साहब? एसपी सिंह जी से ज्यादा वो मुखरता से करते हैं बात? हमने देखा चुनाव के दौरान वो ही बने हुए थे पंजाबी समाज की आवाज? भाजपा में आयेंगे तो और भी शिद्दत से करेंगे समाज की आवाज बुलंद? रालोद में रह कर नहीं चढ़ पायेगा उनकी बात पर भगवा रंग?

क्यों कहा कहने वाले ने कि मैं आपको एक हिंट देकर कर रहा हूं दो भगवा दावेदारों से लिंक? इन दो चेहरों में से ही बनेगा इस बार कोई एक चेहरा महानगर संगठन का किंग? हाल ही में ये दो चेहरे नजर आये हैं एक ही फ्रेम में पीएम साहब के साथ? इन दोनों चेहरों में से ही बननी है इस बार किसी एक की बात? इस बार संगठन में असर दिखायेगा एम फैक्टर? दोनों का ही पार्टी में है काफी मजबूत करेक्टर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि धीरे-धीरे ही सही क्रान्तिकारी त्यागी जी ने तोड़नी शुरू कर दी है शान्ति? जिस अंदाज में हो अपने शब्दों को बयां कर रहे हैं? देखना जल्दी ही आने वाली है उनके शब्दों की क्रान्ति? धीरे-धीरे बाहर आने लगा है उनके जज्बातों का लावा बाहर? घोड़े की नाल और मेंढकी जैसे शब्द आने लगे हैं उनके अंदर से बाहर? कहने वाले ने कहा बस कुछ दिन रूको फेसबुक पर आयेगा उनका वीडियो लाईव? जो चाहते थे उनको मिल चुका है? अब खेली नहीं जा रही है उनसे रोजाना आईस-पाईस?

क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा वाले तरूण भैया के खास नर वाले इन्द्र का भी अपना है अंदाज? उन्होंने भी आज तक नहीं किया है कभी किसी दल वालों को नाराज? साईकिल से वो हुए हाथी पर सवार? काफी दिनों तक रहे भगवा पहरेदार? यहां से भी आगे जाकर उन्होंने विधान सभा के टिकट के लिए थाम लिया कांग्रेस का हाथ? कितने अच्छे हैं हमारे चौहान साहब, जो मिलते हैं उनके हर दल से जज्बात? कहने वाले ने कहा अब वो हाथ वाले महकमें में भी हो गये हैं शांत? ऐसा लग रहा है उनके मन में फिर से आ गया है किसी और दल में शिफ्टिंग का प्लान?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जब भी मैं आंखे बंद करता हूं तो भगवा युवा वाले निशांत भैया का मुस्कुराता हुआ चेहरा खींचता है मेरा ध्यान? मुझे याद आता है उनका पार्टी के प्रति सक्रियता का एक-एक काम? मगर आज कल वो कुछ ज्यादा ही खामोश दिख रहे हैं साहब? ऐसा एहसास करा रहे हैं, युवा टीम में आने के बाद उन्होंने ले लिया है राजनीति से सन्यास? चुनाव से लेकर संगठन तक नहीं हो रहे हैं उनके दीदार? एलएलसी साहब के इस प्रिय चेहरे के दिमाग में ना जाने क्या चल रहा है विचार?

क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार के पहलवान नंबर-2 आजकल कुछ ज्यादा ही आ रहे हैं आत्मविश्वास से लबरेज? सुना है उपचुनाव में अपनी बुद्धि का इस्तेमाल करके इन्होंने कम कर दिया है संगठन में चौहान का क्रेज? इसी ताकत के साथ वो बढ़ रहे हैं कार्यकारिणी उपाध्यक्ष वाले मामले के करीब? सुना है इस मुहिम में उनको भगवा मैडम का भी मिल गया है साथ? उनका जोशिला चेहरा बन रहा है इस बात की तस्दीक? कहने वाले ने कहा उपाध्यक्ष चुनाव को लेकर ये देने वाले हैं राजीव भैया को टक्कर? चौहान की तरह वो क्या इनको भी चुका देंगे? ये चर्चा चल रही है हर जगह डटकर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि हर फ्रिक को धुंए से उड़ाना नदिया पार के ब्राह्मण मैम्बर का है काम? सुना है उन्हें कोरिया वाला ब्रांड खूब भाता है श्रीमान? एसलाईट से वो खुद के तनाव को करते हैं लाईट? लाईट होकर लड़ते हैं वो जनता की फाईट? सुना है इसी ब्रांड निगम के एक अधिकारी करते हैं इस्तेमाल? मामला जब स्वाद का हो, तो फिर कौन रखता है फिर किसी दूसरे ब्रांड का ख्याल?

क्यों कहा कहने वाले ने कि वसुंधरा वाले एरिया में इन दिनों चर्चा में बनी हुई है मीडिया वाले ठाकुर की पोस्ट? उस पोस्ट को उन्होंने विरोध और समर्थन के बेजोड़ तालमेल के साथ किया है रोस्ट? कराया है पार्टी को ये लिखकर एहसास? अब नहीं सहेंगे बदल कर रहेंगे, अब तक का इतिहास? उन्होंने कम शब्दों में वैशाली से मांग लिया है नेतृत्व? लगता है चोट कुछ ज्यादा ही इनके दिल पर लगी है? सौंफ की खुशबू से ये नहीं है बिल्कुल भी संतुष्ट?

क्यों कहा कहने वाले ने कि जिस तरह से भाजयुमो के युवा महामंत्री खेल रहे हैं सक्रियता की पारी? ऐसा लग रहा है, इस बार अध्यक्ष वाला मामला उनके पक्ष में होगा जारी? भगवा चौधरी दे रहे हैं हर बड़े दरवाजे पर दस्तक? चेहरे पर मुस्कान लाकर वो टेक रहे हैं मस्तक? कहने वाले ने कहा इस युवा चेहरे का वैसे भी है बहुत ही शालीन किरदार? संगठन में भी मेहनत करते हैं ये जोरदार? लगता है इस बार इनकी मेहनत दिखायेगी जरूर असर? पूरी हो जायेगी जो पिछली बार रह गई थी कसर?

क्यों कहा कहने वाले ने कि ना जाने पूरी राय से भगवा मैडम हो गई किस बात पर नाराज? कर दिया उन्होंने कुछ ऐसा ऐलान? जिससे कईयों का सर चकरा गया साहब? रेड फेस मैन, मिस्टर महिम, मिस्टर ओम और मिस्टर कश्यप के सामने उन्होंने स्पष्ट कर दी बात? कहा अब मेरी संगठन में आने की बिल्कुल भी तमन्ना नहीं है? ना ही अब कोई इरादा है साहब? बिना जिम्मेदारी के करती रहूंगी पार्टी का झंडा बुलंद? कुछ तो रही होगी बात जो आया है बाहर मैडम के शब्दों का द्वंद?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

नेहरू वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नेहरू वर्ल्ड स्कूल गाजियाबाद द्वारा मंगलवार को भूकंप अभियांत्रिकी राष्ट्रीय सूचना केन्द्र आई.आई.टी. कानपुर द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम की मेजबानी की। इसका उद्देश्य भूकम्प प्रतिरोधी क्षेत्रों में जागरूकता फैलाना व पर्यावरण को भूकम्प के खतरों से मुक्त बनाना है। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम में दिल्ली, एन.सी.आर. व उत्तरी जोन के कुल 7 स्कूलों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संचालक व निर्णायक भूकंप अभियांत्रिकी राष्ट्रीय सूचना केन्द्र आई.आई.टी. कानपुर से आए डॉ. शिवेश पांडे थे। यह प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम तीन चक्रों में सम्पन्न हुआ। सभी प्रश्न विषयनिष्ठ थे। पहला चक्र भूकम्प के विषय में सामान्य जानकारियों वाला था। दूसरे चक्र में चित्रों पर आधारित प्रश्नों को पूछा गया। तीसरे व अन्तिम चक्र को रोचक बनाने के लिए लक्की नम्बर राउंड का प्रयोग किया गया जिसमें प्रतिभागियों से 1 से 25 के बीच की कोई संख्या पूछी गई फिर उसी संख्या का प्रश्न उनसे पूछा गया। इस प्रतियोगिता में बिरला विद्या निकेतन, पुष्प विहार दिल्ली व ब्लू बैल्स मॉडल स्कूल, गुरुग्राम को संयुक्त रुप से विजेता घोषित किया गया। नेहरू वर्ल्ड स्कूल उपविजेता रहा तथा राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुआ। कार्यक्रम के अंत में अपने धन्यवाद भाषण में स्कूल की विंग हैड मंजुला सिंह के अनुसार, इस प्रकार के कार्यक्रम के आयोजन का पहला व मुख्य उद्देश्य स्कूली छात्रों में भूकंप जैसी आपदाओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना व प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करना है। प्रतिभागियों को उत्साहित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं में हार या जीत महत्वपूर्ण नहीं होती, ज्ञानार्जन करना महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 20 जनवरी 2024 को आई.आई.टी. कानपुर में सम्पन्न होगी।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। सरदार एसपी सिंह ओर सतनाम कौर को एक दूजे का हाथ थाम कर साथ साथ चलते 4 दशक यानी 40 बरस हो गए। इस यात्रा को शब्दों में बयां करते हुए सरदार एसपी सिंह ने लिखा शिकवे तो सभी को है इस जिंदगी से मगर जो मौज से जीना चाहते हैं वो शिकायत नहीं करते। यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।